mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-160 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

12 जून 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

ऋतुराज गायकवाड़...

@ पेज 7

राजा रघुवंशी हत्याकांड में सोनम समेत 5 आरोपियों को पुलिस कस्टडी में भेजा

शिलॉन्ग (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड से जुड़ी इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। शिलॉन्ग कोर्ट ने राजा की पत्नी सोनम समेत 5 आरोपियों को 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा है। सोनम, राज,

● **सोनम रघुवंशी ने SIT पूछताछ में कबूला जुर्म**

विशाल, आकाश और आनन्द को 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। पुलिस की तरफ से हत्या के आरोपियों के लिए 10 दिनों की रिमांड मांगी गई थी। लेकिन कोर्ट ने आरोपियों को 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा। आज रात आरोपियों से सदर पुलिस थाने में पूछताछ की जाएगी। रिक्रिएशन के लिए आरोपियों को सोहरा (चेरापूंजी) ले जाया जा सकता है।

दरअसल इंदौर से पत्नी के साथ हनीमून मनाने शिलॉन्ग गए राजा रघुवंशी की हत्या हो गई थी। इस मामले ने मीडिया में काफी सुर्खियां बटोरी और राजा की पत्नी सोनम पर हत्या को लेकर शक गहराया। इसके बाद जब छानबीन की गई तो सोनम को लेकर चौंकाने वाली बातें सामने आई।

फिलहाल आरोपी सोनम रघुवंशी ने SIT की पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। सारे सबूत सामने रखकर सोनम से पूछताछ की गई है,जिसमें सोनम ने कहा, %%हां, मैं अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में शामिल थी।%% दरअसल मेघालय पुलिस ने सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाहा का आमना-सामना करवाया था। इस दौरान सोनम टूट गई और उसने सच उगल दिया।

सोनम रघुवंशी का भाई बोला- बहन को दिलवाऊंगा फांसी की सजा: हालही में मृतक राजा रघुवंशी के घर सोनम रघुवंशी का भाई गोविंद रघुवंशी भी पहुंचा था। वह राजा रघुवंशी की मां से गले मिलकर रोया और बोला कि वह अपनी बहन को इस करतूत कि लिए फांसी की सजा दिलवाएगा। हालही में राजा रघुवंशी के पिता ने कहा था, जो भी इसमें शामिल हैं, उनको फांसी मिलनी चाहिए। सोनम के पूरे परिवार को मालूम था कि सोनम का अफेयर है। उन्होंने रघुवंशी समाज से अपील की है कि सोनम के परिवार को समाज से बाहर करें।

सोनम ने पूरी योजना मायके से रहकर ही बनाई थी: इंदौर क्राइम ब्रांच के सूत्रों का कहना है, सोनम ने ठान रखा था कि उसे राजा को मारना ही है। सोनम ने पूरी योजना मायके से रहकर ही बनाई थी। 11 मई को शादी के बाद 15 मई को सोनम अपने मायके आ गई थी। सोनम ने राजा से कहा था कि कामाख्या मंदिर में दर्शन के बाद ही वो पास आएंगे। इस बहाने उसने राजा को पहले कामाख्या मंदिर और फिर मेघालय जाने के लिए मनाया।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने यूक्रेन को फिर बनाया निशना, मचा दी तबाही

कीव (एजेंसी)। रूस ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात यूक्रेन में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए हैं। रूस की ओर से किए गए इन हमलों में 3 लोगों की मौत हो गई है जबकि 64 अन्य लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के अधिकारियों ने इन हमलों के बारे में जानकारी दी है। खारकीव के महापौर इगोर तेरेखोव ने बताया कि रूसी हमले से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में एक उत्तर-पूर्वी यूक्रेन स्थित उनका शहर है। उन्होंने बताया कि शहर में रूस ने 17 ड्रोन हमले किए है। तेरेखोव के मुताबिक आपातकालीन दल, नगरपालिका कर्मचारी और स्वयंसेवक रात भर आग बुझाने, जलते घरों से निवासियों को बचाने तथा गैस, बिजली और पानी की सेवाएं बहाल करने के लिए काम करते रहे। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा,

''वो असैन्य इलाके हैं, जिन्हें कभी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए था।'' स्थानीय प्रशासन के प्रमुख ओलेह सिनिहुबोव के अनुसार 3 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बयान जारी कर बताया कि रूसी हमले में 64 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने रूस पर अधिक अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के अपने आह्वान को दोहराया। राष्ट्रपति ने कहा, ''अब हर नया दिन रूस के नए घिनौने हमले लेकर आता है और लगभग हर हमला अपनी कहानी बयां कर रहा है। हमें डरना नहीं चाहिए या नए फैसलों को टालना नहीं चाहिए जो रूस के लिए और मुश्किल खड़ी करें। इसके बिना, वो वास्तविक कूटनीति में शामिल नहीं होंगे। यह मुख्य रूप से अमेरिका और अन्य विश्व नेताओं पर निर्भर करता है। जिन लोगों ने हत्याओं को रोकने और कूटनीति का आह्वान किया है, उन्हें कार्रवाई करनी चाहिए।''

अफगानियों के साथ-साथ अब अवैध विदेशियों के पीछे पड़ा पाकिस्तान

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने बुधवार को अफगान नागरिकों और सभी अवैध विदेशियों को स्वेच्छा से देश छोड़ने को कहा है। स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी की बात भी कही गई है। गृह मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, ''अपने देश लौटने वालों से सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि उनके भोजन और स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों, विशेष रूप से

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए व्यवस्था की गई है। बता दें कि, साल 2025 की शुरुआत में पाकिस्तानी गृह मंत्रालय ने सभी 'अवैध विदेशियों' और अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को 31 मार्च से पहले पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा था। ऐसा ना करने पर निर्वासित किए जाने की चेतावनी भी दी थी। अधिकारियों ने इसके बाद देश के सभी हिस्सों से हजारों अफगान नागरिकों को निर्वासित करना शुरू कर दिया था। एसीसी 2017 में अफगान शरणार्थियों को अस्थायी कानूनी दर्जा देने के लिए शुरू किया गया एक दस्तावेज है।

राजा रघुवंशी की मां से मिला सोनम का भाई, फूट-फूटकर रोया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में राजा रघुवंशी के घर अभी थोड़ी देर पहले सोनम का भाई गोविंद पहुंचा। उसने राजा की मां से मुलाकात की है। इस दौरान वह राजा की मां से गले मिलकर फूट-फूटकर रोने लग गया। गोविंद ने कहा कि हमारे परिवार को उस रिश्ते के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, जो लोग दोषी हैं, उन सभी को फांसी की सजा हो। गोविंद ने कहा कि हम इस परिवार के साथ खड़े हैं। राजा की मां से मिलने के बाद सोनम के भाई ने कहा, %%सोनम का किसी के साथ अफेयर नहीं था। जो भी दोषी है उसे फांसी हो। उसने कहा, राज कुशवाहा सिर्फ हमारा कर्मचारी है और सोनम, राज के साथ कर्मचारी के तौर पर बात करती थी। वह राज कुशवाहा को राखी भी बांधती है।%% वहीं, आपको बता दें कि आरोपी सोनम रघुवंशी ने स्ढ्ढञ्ज पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। सारे सबूत सामने रख कर सोनम से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ में सोनम ने कहा कि, हां, वो अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में शामिल थी। मेघालय पुलिस ने जब सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाहा का आमना-सामना करवाया, तो सोनम टूट गई और उसने अपने पति राजा कुशवाहा की हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल ली। पुलिस ने पुख्ता सबूतों के साथ दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की।

दिल्ली के कई इलाकों में 45 डिग्री के पार चला गया तापमान

उफ ! ये गर्मी तो मार ही डालेगी... दिल्ली में टेम्प्रेचर 47.1 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चेहरे को झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है। ऐसा लग रहा है कि मानों आसमान से आग की लपटें उठ रही हो। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया हुआ है। दिल्ली में कम से कम 12 जून तक बहुत गर्म मौसम बना रहेगा। बुधवार को दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि रात में भी 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास न्यूनतम तापमान रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री को पार कर गया। दिल्ली के आयानगर में अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जोकि इस सीजन का सबसे ज्यादा है। वहीं रिज इलाके में 45 डिग्री टेम्परेचर दर्ज हुआ। दिल्ली का तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच बेशक गया है, लेकिन गर्मी को देखकर ऐसा लग रहा है कि यह 50 डिग्री के करीब है। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार को 'रियल फील टेम्प्रेचर' या ताप सूचकांक 47.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 'रियल फील टेम्प्रेचर', यह माप है कि वायु तापमान और सापेक्ष आर्द्रता दोनों को ध्यान में रखते हुए मानव शरीर को कितना गर्म या ठंडा महसूस होता है।

तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी: आईएमडी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तापमान में वृद्धि देखी गई। मंगलवार को सुबह 8.30 बजे तक रिज स्टेशन पर अधिकतम तापमान 44.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आयानगर में अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, पालम में 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सफदरजंग में तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि लोधी रोड स्टेशन पर अधिकतम तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली में 12 जून के बाद बारिश के आसार: दिल्ली के लाखों लोगों को 12 जून के बाद भीषण गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है, क्योंकि मौसम विभाग ने दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस ने पार्टी से निकाला

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई और पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। पार्टी की

तरफ से मीडिया को दी गई जानकारी के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। बता दें कि पिछले महीने लक्ष्मण सिंह को कारण बताओ नोटिस दिया गया था। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पार्टी को रॉबर्ट वाड्रा और राहुल गांधी दोनों की अपरिपक्वता से निपटना होगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर, लक्ष्मण सिंह ने अपनी पार्टी के भीतर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था, उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी और रॉबर्ट वाड्रा अपरिपक्व हैं। उन्होंने दावा किया था कि देश उनकी (राहुल) अपरिपक्वता के परिणाम भुगत रहा है। लक्ष्मण सिंह मध्य प्रदेश से पांच बार सांसद और तीन बार विधायक रह चुके हैं।

सीमा पर शौर्य दिखाने वाले जवान का इंडिगो की फ्लाइट में सम्मान

तालियां बजाते हुए लोग खड़े हुए

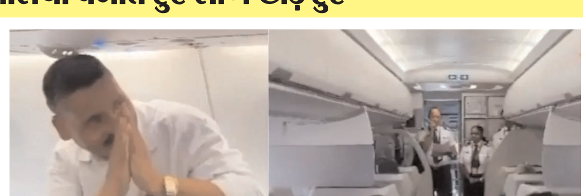

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर पाकिस्तान की भारी गोलाबारी के बीच अपने साथियों की रक्षा करने के दौरान घायल बीएसएफ जवान के शौर्य का इंडिगो की फ्लाइट में सहयात्रियों ने सम्मान किया। फ्लाइट में जवान की मौजूदगी की घोषणा होती ही लोग उठ खड़े हुए और तालियां बजाकर बीएसएफ जवान का सम्मान किया। इसका वीडियो बीएसएफ ने भी शेयर किया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद इंडियन आर्म्ड फोर्स ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला किया था। इस हमले में आतंकियों के 9 ठिकाने तबाह हो गए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर भारतीय सीमा से सटे रिहायशी इलाकों में भारी गोलाबारी शुरू कर दी थी। पाकिस्तान की गोलाबारी का भारतीय सेना ने पूरी ताकत के साथ जवाब दिया। इस गोलाबारी के दौरान बीएसएफ की भूमिका काफी सराहनीय रही। रिहायशी इलाके में लोगों की जानमाल की रक्षा के साथ ही दुश्मन को करारा जवाब बीएएसएफ के जवानों ने दिया। इसी दौरान बीएसएफ के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर राजप्पा बी.डी ने भी साहस का परिचय देते हुए दुश्मन के हमले में अपने साथियों की रक्षा की। इस दौरान वे घायल भी हो गए। बीएसएफ के इस वीर जवान को इंडिगो की फ्लाइट में यात्रा के दौरान सम्मानित किया गया। बीएसएफ ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में बताया कि 10 जून 2025, इंडिगो दिल्ली-बेंगलुरु की फ्लाइट में चालक दल द्वारा बीएसएफ की 165 बटालियन के सहायक उप निरीक्षक राजप्पा बी.डी. द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर में दिखाई गई वीरतापूर्ण कार्य का पुनः स्मरण, उनकी कर्तव्यनिष्ठा और देश के लिए समर्पण का सम्मान है सीमा सुरक्षा बल, अपने बहादुर सीमा प्रहरी को सम्मान देने की इंडिगो कीइस पहल के लिए उनका आभार व्यक्त करता है। सीमा सुरक्षा बल राष्ट्र रक्षा एवं राष्ट्र निर्माण हेतु समर्पित है ।

गैंगस्टर की बीवी जोया अख्तर गिरफ्तार

गैंगस्टर हाशिम बाबा लॉरेंस बिश्नोई का खासमखास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टर हाशिम बाबा की बीवी जोया अख्तर को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही हाशिम बाबा गैंग का एक गुर्गा भी गिरफ़्तार हुआ है। आपको बता दें कि गैंगस्टर हाशिम बाबा लॉरेंस बिश्नोई का खासमखास है। अब आर्म्स एक्ट के मामले में हाशिम बाबा की बीवी जोया को गिरफ्तार किया गया है। जोया अख्तर पहले से ही जेल में बंद थी। उसे तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, स्पेशल सेल के एसीपी कैलाश बिष्ट और इंस्पेक्टर सुनील तेवतिया की टीम ने हाशिम बाबा गिरोह के एक सक्रिय गुर्गे अमन उर्फ मेहताब उर्फ मोनू, उम्र-25 वर्ष को गिरफ्तार किया था। उसने पूछताछ के बाद हाशिम बाबा की पत्नी जोया का नाम लिया। वह हाशिम बाबा का रिश्ते में साला लगता है। उसकी निशानदेही पर तीन अत्याधुनिक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जो गिरोह के अन्य सदस्यों को सप्लाई किए जाने थे। इस संबंध में स्पेशल सेल दिल्ली में उसके खिलाफ कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

स्पेशल सेल की ट्रांस यमुना रेंज नियमित रूप से ट्रांस यमुना क्षेत्र में सक्रिय गिरोह के सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही थी। टीम ऐसे अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी और इन अपराधियों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। टीम ने ऐसे कई गिरोह के सदस्यों के बारे में जानकारी एकत्र की और उनका सत्यापन किया। कई दिनों की कड़ी मेहनत के बाद, टीम को आखिरकार सफलता तब मिली जब एएसआई वीरेंद्र बालियान को हाशिम बाबा गिरोह के एक सक्रिय सदस्य अमन उर्फ मेहताब उर्फ मोनू पुत्र अफाक निवासी वेलकम, दिल्ली की गतिविधि के बारे में विशेष सूचना मिली। टीम ने तुरंत कार्रवाई की और मदर डेयरी, वेलकम, दिल्ली के पास जाल बिछा दिया। इसके बाद आरोपी अमन उर्फ मेहताब को एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद करने के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इस मामले में स्पेशल सेल थाने में एफआईआर संख्या 148/25 के तहत धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि उसकी बहन जोया ने हथियारों से भरा एक बैग सुभाष पार्क एक्सटेंशन दिल्ली में रहने वाली एक महिला को दिया था। इसके बाद आरोपी की निशानदेही पर छापेमारी की गई और कथित बैग बरामद किया गया, जिसमें दो पिस्तौल और 1,49,000 रुपये नकद मिले।

बीमार भगवान जगन्नाथ को 15 दिन भोग में देंगे खिचड़ी

लू लगते ही गर्भगृह से बाहर निकाली प्रतिमाएं, विश्राम के बाद रथयात्रा पर निकलेंगे

रीवा (एजेंसी)। रीवा के ऐतिहासिक लक्ष्मण बाग मंदिर में भगवान बीमार हो गए है। यहां पर स्थापित भगवान जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र और सुभद्रा ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के साथ ही गर्भगृह से निकाले गए है। पुजारी ने मंदिर के पट बंद कर दिए हैं। अब वे 15 दिनों तक विश्राम करेंगे और इन्हें औषधि एवं सादा भोजन दिया जाएगा। मान्यता है कि इस दिन भगवान को बुखार आने के साथ ही बीमार हो जाते हैं, और भगवान का परहेज भी शुरू हो जाता है। अब भगवान को दलिया खिचड़ी व मूंग की दाल सहित हल्के खाद्य पदार्थों का भोग लगाया जाएगा।

अस्वस्थ होने के कारण भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा शयनकक्ष में आराम कर रहे हैं। भक्तों के लिए दर्शन बंद कर दिए जाते है, भगवान का बीमार होना यह सब परंपरा का हिस्सा हैं जिसका निर्वहन करीब 350 सौ सालों से आज भी

किया जा रहा है।

लक्ष्मण बाग का यह मंदिर कई वर्ष पुराना है। जहां पर पुरानी परम्परा के अनुसार ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ लू लगने से बीमार पड़ जाते है। इसके बाद मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं, इस दौरान 15 दिनों तक भोग में उन्हें खिचड़ी एवं ठंडई दी जाती है और राज्य वैध आकर भगवान को दवा देकर इलाज करते है। मंदिर के पुजारियों द्वारा 108 कलश औषधीय जल से भगवान को स्नान कराया जाता है। भगवान को आराम करने के लिए अलग स्थान दिया जाता है भक्तों के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए जाते है। 15 दिनों बाद भगवान ठीक होंगे और रथ यात्रा के दिन लोगों को दर्शन देंगे। रीवा में भी भगवान जगन्नाथ का यह मंदिर सैकड़ों वर्षों पुराना है।

दीनानाथ शास्त्री ने बताया कि यहां पर रथ यात्रा की परंपरा रही है। जिसमे निकलकर भगवान लोगों को दर्शन देते हैं। रीवा रियासत में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की सदियों पुरानी परंपरा है, जिसका निर्वाहन रीवा रियासत के सभी राजाओं ने किया।

आज भी राजपरिवार के मुखिया और जनता के द्वारा रथयात्रा निकाली जाती है। लक्ष्मण बाग मंदिर से भगवान सज धज कर निकलते हैं और शहर भ्रमण कर लोगों को दर्शन देते हैं। 27 जून को इस बार रथ यात्रा में निकलेंगे।

उज्जैन में बेगम बाग इलाके में कई अवैध बिल्डिंग जमींदोज

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास बेगमबाग क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस प्रशासन की एक बार फिर बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। दरअसल यहां हरि फाटक ब्रिज के पास महाकाल मंदिर पहुंच मार्ग पर स्थित 7 अवैध बिल्डिंग को जमींदोज किया जा रहा है। सुबह से शुरू हुई कार्रवाई में किसी प्रकार का कोई विरोध प्रदर्शन देखने को नहीं मिला। दरअसल यहां 19 दिन पहले भी इसी प्रकार 5 बिल्डिंग को जमीदोंज किया गया था, तब जरूर विरोध हुआ था। आज कार्रवाई शांतिपूर्ण चल रही है। यहां 250 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान तैनात किए गए हैं। जिनमें आईपीएस, एडिशनल एसपी, सीएसपी, टीआई व जवान मौजूद हैं। वहीं करीब 250 को संख्या में प्रशासन का भी अमला भी मौजूद है। जिसमें विकास प्राधिकरण सीईओ, एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी, निगमकर्मी शामिल है।

अपर मुख्य सचिव राजन ने दो दिवसीय इन्क्यूबेटर कार्यशाला का किया शुभारम्भ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा विभाग एवं एम.पी. स्टार्टअप सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में, भोपाल स्थित आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में दो दिवसीय इन्क्यूबेटर कार्यशाला का अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। अपर मुख्य सचिव श्री राजन ने स्टार्ट अप के बारे में व्यापक रूप से जागरूकता लाने के लिए एवं प्राध्यापको द्वारा और अधिक रूचि लेने के लिए कहा। श्री राजन ने प्रदेश में अटल इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करने का सन्देश भी दिया। आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े ने इन्क्यूबेशन सेंटर्स की भूमिका एवं उनके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। एम.पी. स्टार्टअप सेंटर की कार्यकारी निदेशक डॉ. आभा ऋषि ने प्रतिभागियों को इन्क्यूबेशन की प्रक्रिया, उसकी उपयोगिता एवं शैक्षणिक संस्थानों में इसके समावेश के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों का संचालन किया गया, इसमें आरएनटीयू, भोपाल के सीईओ श्री रोनाल्ड फर्नांडिज, डॉ. मोनी थॉमस, डायरेक्टर जेएनकेवीवी, जबलपुर एवं सीए अनिरुद्ध प्रताप सिंह कंसलटेंट, एलएनसीटी भोपाल ने भी विचार साझा किये।कार्यशाला में प्रदेश के12 निजी विश्वविद्यालयों, 16 शासकीय विश्वविद्यालयों, 18 स्वायत्त महाविद्यालयों एवं 1 संबद्ध महाविद्यालय में स्थापित इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी एवं कार्यकारी समिति के एक सदस्य ने सहभागिता की। इसके बादआरएनटीयू, भोपाल के अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) में फील्ड विजिट किया गया, इसमें आरएनटीयू, भोपाल के एआईसी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं ने प्रेरक अनुभव साझा किये।

‘अमृत हरित अभियान’ पर एक दिवसीय कार्यशाला 13 जून को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 13 जून, शुक्रवार को प्रातः 8-30 बजे भोपाल के रवीन्द्र भवन में ‘अमृत हरित अभियान’ पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। कार्यशाला का सीधा प्रसारण किया जाएगा जिसे समस्त नगरीय निकायों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सजीव देखा जा सकेगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक, महापौर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

प्रदेश में 145 मॉडल स्कूलों का सफलता-पूर्वक संचालन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग वर्तमान में 145 शासकीय मॉडल स्कूल का संचालन कर रहा है। इनमें से 143 मॉडल स्कूल के स्वयं के भवन निर्मित हो चुके हैं। इन मॉडल स्कूल में करीब 50 हजार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। मॉडल स्कूल शैक्षणिक रूप से प्रदेश के पिछड़े विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में शिक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के 43 जिला मुख्यालय एवं 96 विकासखंड मुख्यालय पर उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हो रहे हैं। इन विद्यालयों में बच्चों के कॅरियर काउंसलिंग की भी व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था से बच्चों को भविष्य में किस क्षेत्र में अध्ययन करना है, उसकी समझाइश विशेषज्ञों के माध्यम से मिलती है।

लक्ष्य को समय सीमा से पहले पूरा करने का भाव जरूरी : राज्यपाल मंगुभाई पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशीलता, सहानुभूति के साथ रोग उन्मूलन की प्रतिबद्धता जरूरी है। कार्य का भाव लक्ष्य को समय सीमा से पूर्व पूरा करने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा के माध्यम है। ईश्वरीय कृपा के भागी होने का यह बड़ा अवसर है।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन में सिकल सेल मिशन के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा श्री राजेन्द्र शुक्ल, आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार भी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के द्वारा सिकल सेल उपचार, प्रबंधन और नियंत्रण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उनको बताया गया कि मिशन के अंतर्गत 19 जून से 3 जुलाई तक समस्त ग्राम पंचायतों, एकलव्य आवासीय स्कूलों एवं छात्रावासों में मेगा शिविर आयोजित होंगे। अधिक से अधिक स्क्रीनिंग जांच की जाएगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला चिकित्सालयों में पीओसी किट के द्वारा स्क्रीनिंग की जाएगी। प्रतिदिन स्क्रीनिंग जांच का डेटा पोर्टल में दर्ज होगा। जेनेटिक काउंसलिंग की जाएगी। जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर चिह्नित सिकल सेल रोगियों के लिए शिविर लगेंगे। उन्हें विशेषज्ञों की परामर्श सेवायें उपलब्ध कराई जाएगी। सिकल सेल रोगियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रदान कर पेंशन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

आयुष विभाग द्वारा बताया गया कि विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में जनजातीय बहुल 20 जिलों में संचालित 78 आयुष औषधालयों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिकल सेल उपचार में सहायक आयुर्वेद दवाओं की किट का वितरण होगा। रोग उपचार में सहायक स्थानीय वनस्पति के संरक्षण, संवर्धन के प्रति जन जागरूकता के कार्य होंगे। सिकल सेल एनीमिया प्रभावित प्रत्येक ग्राम में जनजागृति के लिए प्रभात फेरी, योगाभ्यास, ग्राम-सभा आदि के आयोजन किए जाएंगे। बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्रीमती जमुना भिड़े, संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सुश्री सलोनी सिडाना, आयुक्त आयुष श्री संजय मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन वेस्ट जोन की ज़ोनल टास्क फोर्स की बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत वेस्ट जोन की ज़ोनल टास्क फोर्स बैठक का शुभारंभ भोपाल स्थित होटल पलाश में हुआ। यह वार्षिक बैठक हर वर्ष सदस्य राज्यों द्वारा बारी-बारी से आयोजित की जाती है। इस वर्ष यह महत्त्वपूर्ण बैठक मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित की जा रही है। बैठक में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, दमन एवं दीव, तथा दादरा एवं नगर हवेली राज्यों के नेशनल टास्क फोर्स और ज़ोनल टास्क फोर्स के वरिष्ठ पदाधिकारीगण भाग ले रहे हैं। मध्यप्रदेश के विभिन्न प्रमुख मेडिकल कॉलेजों से क्षय रोग विशेषज्ञ भी बैठक में सम्मिलित हुए हैं। बैठक का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन

संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, नेशनल टास्क फोर्स के चेयरपर्सन डॉ. अशोक भारद्वाज, ज़ोनल टास्क फोर्स के चेयरपर्सन डॉ. भावेश मोदी, तथा मध्यप्रदेश की राज्य क्षय अधिकारी डॉ. स्मृति सिंह द्वारा किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधि तथा अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मेडिकल कॉलेजों के योगदान की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, उपस्थित विशेषज्ञों एवं अधिकारियों को तकनीकी मार्गदर्शन देने के अलावा उन्हें उन्नत कार्य प्रणालियों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

सिलाई कला मंडल को गुड गवर्नेंस मॉडल के रूप में करें विकसित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य सिलाई कला मंडल के संचालक मंडल की बैठक मंगलवार को भोपाल के शिवाजी नगर स्थित पालिका भवन में आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सिलाई कला मंडल के अध्यक्ष श्री मनोहर लाल महेश्वरी, सदस्य श्री सुरेश माहेश्वरी, श्री मांगीलाल सोलंकी सहित नगरीय निकायों से आए हुए सिलाई व्यवसाय से जुड़े हितग्राही मौजूद थे। बैठक में आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री भोंडवे ने निर्देश दिए कि सिलाई कला मंडल को गुड गवर्नेंस मॉडल के रूप में विकसित करने के लिये एक पंचवर्षीय कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि समाज के

सभी वर्गों को मंडल से शत-प्रतिशत जोड़ने एवं इससे जुड़ी समस्त जानकारी को पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाये। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय स्तर पर शिक्षित युवाओं की कौशल वृद्धि के लिए सिलाई एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किये जायें। उन्होंने कहा कि सिलाई व्यवसाय से जुड़ी जानकारी देने के लिये संभाग स्तर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाये। बैठक में सचिव सचिव श्री बी.डी. भुमरकर ने सिलाई कला मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। सिलाई कला मंडल के अध्यक्ष श्री माहेश्वरी ने आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

बावड़ियों में पूर्वजों की जल के साथ जल संरक्षण के प्रति विवेकपूर्ण सोच

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बावड़ियां प्राचीन काल के श्रेष्ठ जल संरक्षण और प्रबंधन का सजीव उदाहरण हैं। पूर्वजों की इस अमूल्य धरोहर को आने वाली पीड़ी को सौंपना हम सभी की जिम्मेदारी है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ने जल गंगा संवर्धन अभियान में बावड़ी महोत्सव मनाकर पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और उनके प्रकृति से घनिष्ट संबंधों की स्मृतियों को जीवंत कर दिया। जल गंगा अभियान का संचालन 30 मार्च से 30 जून तक किया जा रहा है। अभियान में श्रमदान से जल स्त्रोतों की सफाई, गहरीकरण, नई संरचनाओं का निर्माण और प्राचीन जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बावड़ी उत्सव का आयोजन एक अभिनव प्रयास सराहनीय है। जल गंगा संवर्धन अभियान जन अभियान परिषद की झाबुआ इकाई ने जल स्त्रोतों को सहेजने के प्रयासों को उत्सव का रूप देते हुए थांदला के अष्ट भंजन हनुमान मंदिर में 300 वर्ष प्राचीन बावड़ी में ‘बावड़ी-उत्सव’ का आयोजन किया गया। एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत बावड़ी के समीप पौधरोपण भी किया गया। ‘बावड़ी-उत्सव’ में भजन कीर्तन और संगोष्ठी और आरती का आयोजन किया गया।

‘बावड़ी-उत्सव’ में सहभागिता कर रहे स्थानीय नागरिकों ने गंगा दशहरा पर्व पर प्रति वर्ष ‘बावड़ी-उत्सव’ मनाने का संकल्प लिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जबलपुर इकाई ने बावड़ी, तालाब और कुओं जैसे जल स्त्रोतों के सरंक्षण में शासन-प्रशासन के साथ जन प्रतिनिधियों एवं नागरिकों का भी सहयोग लिया गया। जन-सहभागिता से बावड़ी महोत्सव मना कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। मंडला के महाराजपुर संगम घाट स्थित बावड़ी में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया।

नगरीय क्षेत्र में जर्जर भवन मालिकों के विरूद्ध करें कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि वे अपने क्षेत्रों में जर्जर भवनों की सूची तैयार करें और मानसून आने के पहले जिला प्रशासन के सहयोग से जर्जर भवनों को गिराने की कार्रवाई करें। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित नागरिकों के उचित विस्थापन किये जाने के भी निर्देश दिये हैं।

आयुक्त ने यह कार्यवाही नगर निगम अधिनियम और नगर पालिका अधिनियम के अंतर्गत सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने नगरीय निकायों के अधिकारियों को आगाह किया है कि सतर्कता के साथ की गई कार्यवाही से जनधन हानि से बचा जा सकता है। आयुक्त ने जर्जर भवनों की सूची तत्काल संबंधित जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को उपलब्ध कराने के लिये कहा है।

आयुक्त नगरीय प्रशासन ने नगरीय निकायों के अधिकारियों को अपने शहरी क्षेत्र के नाले-नालियों की साफ-सफाई प्राथमिकता से करवाने के लिये कहा है। उन्होंने कहा कि नाले-नालियों की उचित साफ-सफाई न होने की वजह से जल भराव की स्थिति निर्मित होती है। इस वजह से नागरिकों को तकलीफ का सामना करना पड़ता है।

मध्यप्रदेश के 20 उत्पादों के जीआई टैगिंग प्रक्रिया के लिये एमओयू हुआ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत राज्य नोडल एजेंसी, मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा विश्व बैंक समर्थित आरएएमपी योजना के अंतर्गत जीआई टैगिंग के लिए राज्य स्तरीय परामर्श बैठक मंगलवार को लघु उद्योग निगम के कान्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम और ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन वाराणसी के बीच जीआई टैगिंग प्रक्रिया संबंधी एमओयू किया गया।

कार्यशाला में राज्य के पारंपरिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट उत्पादों की पहचान कर उन्हें जीआई टैग दिलवाने हेतु आवश्यक विभागीय समन्वय स्थापित करने पर चर्चा हुई। इन उत्पादों को कानूनी संरक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों तक पहुंच और ब्रांडिंग के ज़रिये व्यापक पहचान दिलवाने पर भी विमर्श हुआ। आयुक्त एमएसएमई श्री दिलीप कुमार ने विभागों से योजना के तहत बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया तथा देश को होने वाले फायदों पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में कृषि, हस्तशिल्प, वनोपज, वस्त्र एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में पारंपरिक उत्पादों की जीआई टैगिंग के लिए पहचान करना, जीआई पंजीकरण प्रक्रिया संबंधी आवश्यक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दस्तावेजों का संकलन और विभागीय समन्वय के माध्यम से एक साझा कार्य योजना बनाने के साथ आगामी वर्ष में 20 उत्पादों की जीआई फाइलिंग करने पर चर्चा हुई। जीआई उत्पादों को एक जिला-एक उत्पाद नीति से जोड़ते हुए बाज़ार और ब्रांडिंग के अवसरों को बढ़ावा देने पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में जीआई टैगिंग विशेषज्ञ एवं ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन, वाराणसी के कार्यकारी निदेशक डॉ. रजनीकांत ने जीआई टैगिंग की प्रक्रिया, कानूनी ढांचा, और देशभर में हुए सफल जीआई पंजीकरणों की जानकारी साझा की।

होयोपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में अब भर्ती होने की सुविधा रहेगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में महिलाओं में होने वाले मोटापे रोग का विशेष उपचार उपलब्ध है। होम्योपैथी वैलनेस सेंटर के लाभार्थियों को अब भर्ती होने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही जोड़ों में दर्द, मोटापा एवं पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के उपचार के लिए विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे। स्वास्थ्य कल्याण केंद्र इकाई केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है। होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र की

नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन के विभिन्न पड़ावों में मोटापे की समस्या, व्यापक एवं उग्र रूप धारण कर रही है। विशेषतः कामकाजी महिलाओं में यह समस्या नित नए रूप लेती जा रही है और साथ में जोड़ों में दर्द, कार्य करने की अनिच्छा, घबराहट जैसे कई अन्य लक्षण भी उत्पन्न कर रही है। भविष्य में यह समस्या शरीर में गंभीर असंतुलन और बड़ी बीमारियों को जन्म देने का कारक बनती है। केंद्रीय मंत्रालय के निर्देशानुसार होम्योपैथी विधा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से मोटापे की समस्या के संपूर्ण निदान के लिए उक्त स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की विशेषज्ञ सुविधा उपलब्ध है। दवाओं के अतिरिक्त दिनचर्या, आहार, प्रत्याहार मालिश, हाइड्रोथेरेपी, वाष्प स्नान के माध्यम से उक्त विशेष उपचार कार्यक्रम को स्वरूप दिया गया है। उपचार की अवधि व्यक्ति विशेष की आवश्यकताओं एवं शारीरिक स्थिति के अनुसार निर्धारित की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति की दवा एवं थेरेपी विशेष रूप से स्क्रिप्ट की जाएगी एवं योग के माध्यम से इन परिणामों को और प्रभावी बनाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को प्रदेश स्तरीय होंगे कायक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया है। वर्ष 2015 से सारी दुनिया में योग के प्रति उत्साही भागीदारी देखी गई है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूर्ण हो रहा है। इस अवसर पर वृहद रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के साथ-साथ काउंट डाउन एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेश में जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे।

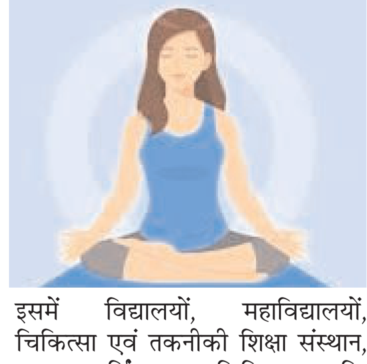

इसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा संस्थान, आयुष, नर्सिंग, पशु चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, पॉलीटेक्निक, आईटीआई के साथ निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की भागीदारी रहेगी। प्रदेश के समस्त संस्थानों में योग दिवस में भाग लेने के लिये आयुष मंत्रालय भारत सरकार की लिंक में आयोजक के रूप में पंजीयन कराया जाना है।

नगरीय निकायों को कप्यूटरीकृत करने के लिये वेब आधारित ई-नगरपालिका 2.0

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिये केन्द्रीकृत वेब आधारित ई-नगरपालिका 2.0 योजना प्रारंभ की है। यह योजना डिजिटल इण्डिया के उद्देश्य को बढ़ावा देने तथा पारदर्शी और त्वरित नागरिक सेवा देने के उद्देश्य से लागू की गयी है। यह योजना ई-गवर्नेंस का अनूठा उदाहरण है। ई-नगरपालिका 1.0 द्वारा नगरीय निकायों द्वारा प्रदत्त समस्त नागरिक सेवाओं, जन-शिकायत सुविधा, निकायों की आंतरिक कार्य-प्रणाली, समस्त भुगतान और बजट प्रक्रिया को एकीकृत कर ऑनलाइन सुविधा प्रदाय की जा रही है। मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है, जहाँ प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को एक सिंगल पोर्टल पर लाया गया है। ई-नगरपालिका 2.0 का विभिन्न विभागों जैसे उद्योग, राजस्व, पंजीयन विभाग आदि एवं भारत सरकार के महत्वपूर्ण मोबाइल ऐप जैसे उमंग से भी एकीकृत किया गया है।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज रामपुर बघेलान में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 12 जून से 26 जून 2025 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 12 जून को जनपद पंचायत रामपुर बघेलान, 13 जून को जनपद पंचायत मझगवां, 16 जून को जनपद पंचायत उचेहरा, 17 जून को जनपद पंचायत नागौद, 18 जून को शासकीय आईटीआई सतना (युवा संगम), 19 जून को शासकीय आईटीआई मैहर (युवा संगम), 20 जून को जनपद पंचायत सोहावल, 23 जून को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 24 जून को जनपद पंचायत मैहर, 25 जून को जनपद पंचायत रामनगर एवं 26 जून 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद हेतु आयु 19 से 40 वर्ष तथा योग्यता 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित हो सकते हैं। भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए राहुल साहू मोबाइल नम्बर 9131557489 पर सम्पर्क कर सकते है।

सांसद ने सोन घड़ियाल अभयारण्य के जोगदहा घाट का किया भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा बुधवार को सोन घड़ियाल अभयारण्य के जोगदहा घाट का भ्रमण किया गया। घाट में अठखेलियॉ कर रहे घड़ियाल के नवजात बच्चों को देखकर सांसद द्वारा अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की गई। बच्चों के अतिरिक्त सात मादा एवं एक नर घड़ियाल तथा दो मगर भी दिखे। क्षेत्र संचालक संजय टाइगर रिजर्व सीधी अमित कुमार दुबे ने घड़ियाल संरक्षण की चुनौतियों तथा प्रबंधन द्वारा घड़ियाल संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयासो से सांसद को अवगत कराया। सांसद द्वारा घड़ियाल संरक्षण के लिये संजय टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की गई एवं भविष्य में घड़ियाल संरक्षण के लिये पूर्ण सहयोग हेतु आश्वस्त किया गया।

भ्रमण के दौरान डॉ कैलास तिवारी भी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2015 में अंतिम दो नर घड़ियालों की मृत्यु के पश्चात अभयारण्य नर घड़ियाल विहीन हो गया था। अभयारण्य में नर घड़ियाल नहीं होने से प्रजनन अवरूद्ध हो गया था। वर्ष 2022 में एक नर घड़ियाल राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य से लाया गया था। वर्ष 2023 में उक्त नर घड़ियाल मानसूनी बाढ़ में बह कर बिहार राज्य पहुंच गया था। प्रबंधन के अथक प्रयासों के बावजूद उसे वापस नहीं लाया जा सका था। दिनांक 14 जनवरी 2025 को 01 नर घड़ियाल चम्बल अभयारण्य से पुनः लाया गया जिसे सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक की उपस्थिति में सोन नदी के जोगदहा घाट में छोड़ा गया था। मादाओं द्वारा माह मार्च 2025 में अण्डे दिये गये थे। इसी कड़ी में दिनांक 21 मई 2025 से 25 मई 2025 के बीच घड़ियालों द्वारा दिये गये अण्डों से 132 बच्चे निकले हैं। प्राकृतिक वातावरण में सामान्यतः दो से तीन प्रतिशत बच्चे ही बच पाते हैं। सांसद द्वारा अधिक बच्चे बचाने की दिशा में आवश्यक उपाय करने हेतु कहा गया।

अत्यधिक जैविक दबाव एवं अभयारण्य पर मंडरा रहे अस्तित्व के संकट के बीच स्थानीय जन प्रतिनिधियों के सहयोग, अभयारण्य में कार्यरत अधिकारियों की इच्छा शक्ति, कर्मचारियों के अथक प्रयासों तथा नदी के तटों पर निवासरत समुदायों के सहयोग एवं सहभागिता से वर्तमान में अभयारण्य घड़ियाल, स्कीमर सहित अन्य दुर्लभ जलीय जीव जन्तुओं के लिये प्रजनन के महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा है।

सोन घड़ियाल अभयारण्य सीधी का गठन घड़ियाल एवं अन्य जलीय जीवों के संरक्षण के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन के नोटीफिकेशन क्रमांक 14-47-80- ग-(2) भोपाल दिनांक 23.09.1981 द्वारा सोन, गोपद एवं बनास नदियों में 209.21 किलोमीटर लम्बाई में किया गया है। अभयारण्य की चौड़ाई नदियों के दोनो ओर 200 मीटर तक है। अभयारण्य में वर्ष 2025 में की गई जलीय जीव जन्तुओं एवं पक्षियों की गणना में घड़ियाल-38 मगरमच्छ-74, स्कीमर-41, 49 प्रकार के कुल 4015 पक्षी, तथा कछुये, मछलियों की अनेक प्रजातियॉ, जलीय सर्प एवं अन्य जलीय जीव पाये गये। मध्य प्रदेश में चंबल अभयारण्य के अतिरिक्त सोन घड़ियाल अभयारण्य दूसरा ऐसा अभयारण्य है जिसमें प्राकृतिक पर्यावास में घड़ियाल का प्रजनन हो रहा है।

भ्रमण के दौरान सुधीर मिश्रा अधीक्षक सोन घड़ियाल अभयारण्य, मनी राम धुर्वे परिक्षेत्राधिकारी सीधी, जोखीलाल प्रजापति वनरक्षक एवं सोन घड़ियाल अभयारण्य के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध उत्खनन करते हुए जेसीबी और दो ट्रैक्टर ट्राली जप्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के कुशल निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के मार्गदर्शन में आज दिनांक 11.06.2025 को प्राप्त शिकायत के संदर्भ में ग्राम पड़खुरी पवाई 588 का संयुक्त निरीक्षण तहसीलदार रामपुरनैकिन एवं खनि निरीक्षक द्वारा किया गया।

मौका निरीक्षण अनुसार ग्राम पड़खुरी खसरा क्रमांक 92/1 में एक जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर ट्रॉली खनिज मिट्टी के उत्खनन/परिवहन में संलिप्त पाए गए। वाहन चालक एवं भूमि स्वामी से मिट्टी उत्खनन के संबंध में अनुमति के कागजात की मांग करने पर कोई अनुमति नहीं होना बताया गया, भूमि स्वामी द्वारा बताया गया कि वह अपने खेत में समतलीकरण का कार्य करवा रहे है, तथा समतलीकरण से प्राप्त मिट्टी का उपयोग ठेकेदार द्वारा रोड निर्माण के कार्य में किया जा रहा है। भूमि स्वामी द्वारा बिना किसी अनुमति के खनिज मिट्टी का अवैध उत्खनन/परिवहन किया जाना पाया गया। तदानुसार म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत मौके से जेसीबी मशीन एवं 2 ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त कर सुरक्षार्थ थाना रामपुरनैकिन में खड़ा कराया गया एवं अवैध उत्खनन का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

ग्रामीणजन निभा रहे जल संरक्षण में अहम भूमिका - सांसद डॉ राजेश मिश्रा

जल गंगा संवर्धन अभियान से बढ़ी जागरूकता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले के विकासखंड सीधी के शिवपुरवा ग्राम पंचायत के अंतर्गत हीरा तालाब जीर्णोद्धार में सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी की उपस्थिति में श्रमदान, कलश यात्रा एवं संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि जल प्रकृति की बहुमूल्य देन है। जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जल है तभी जीवन है। जल ही जीवन का आधार है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का कार्य किया गया है। इस अभियान से लोगों मे जल के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। सांसद ने कहा कि जल संरक्षण के कार्यों को करने के साथ-साथ अपने आसपास अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने का कार्य भी करें। प्रधानमंत्री जी ने सभी से एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागिता की अपील की है। इन अभियानों में सच्चे मन से सहभागिता ही भावी पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करेगी और यही सच्चे अर्थों में एक नागरिक के रूप में हमारा देश के प्रति कर्तव्य भी है।

जिला समन्वयक जन अभियान परिषद शिवदत्त उर्मलिया ने बताया कि मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के मंशा अनुरूप जल की बूंद-बूंद को सहेज कर संरक्षित करना एवं सतही पानी व जमीन के अंदर के पानी को संतुलित करते हुए उपयोग करना इस उद्देश्य को लेकर विगत 3 महीने से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य करता चला आ रहा है।

आज के कार्यक्रम में योगेंद्र सिंह, शिवदयाल साकेत सरपंच, रामकृपाल जायसवाल, रामेश्वरी सिंह, विष्णु बहादुर एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली जब्त कर विनिष्टिकरण की कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देकर बताया है कि बुधवार दिनांक 11.06.2025 को कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी अंशुमन राज के मार्गदर्शन में मत्स्य विभाग की टीम द्वारा कुचवाही बाजार में प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली विक्रय करते पाए जाने पर मत्स्य विक्रेता सोनू ढाबा के संचालक सोनू भुजवा से लगभग 12 किलोग्राम प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली जब्त कर विनिष्टीकरण की कार्यवाही शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र गोरियरा सीधी में की गयी।

मत्स्य विक्रेता को सख्त हिदायत दी गयी कि थाई मांगुर मछली का पालन एवं विक्रय प्रतिबंधित है तथा भविष्य में ऐसा करते पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी। टीम में सहायक संचालक मत्स्योद्योग जिला सीधी दीपक शुक्ला के साथ मयंक मिश्र, दीपनारायण तिवारी तथा श्यामलाल केवट मत्स्य जमादार शामिल रहे।

आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक अब जबलपुर में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जबलपुर में मध्यभारत की पहली आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक का शुभारंभ जबलपुर में किया गया है। रसल चौक, बराट रोड, समदड़िया होटल के समीप स्थित क्लिनिक में बच्चे, बड़े, वयस्क व बजुर्ग जिनको सुनने, बोलने में त्रुटि है, उन्हें सबसे एडवांस ट्रीटमेंट मिल सकेगा। वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि यह लैब अपनी खूबियों के चलते मध्यभारत की सबसे आधुनिक लैब कही जा सकती है। इसमें कई सेक्शन्स रखें हैं, जिनमें श्रवण की जटिल से जटिल समस्याओं का निदान मिल सकेगा। वार्ता में अविनाश पवार, एमडी एंड सीईओ डब्ल्यू एस ऑडियोलॉजी, किशलय चक्रवर्ती, बिजनेस हेड सिग्निया, अक्षय गुप्ता असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट हिअर डॉट कॉम , मोहन स्वामी हेड ऑडियोलॉजिस्ट डबल्यू ऑडियोलॉजी, ईएनटी सर्जन और प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट के साथ गेलाऊडेट यूनिवर्सिटी की फॉर्मर प्रोफेसर डॉ सनयोक्ता जायसवाल और वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लीनिक की एमडी डॉ सोनल मेहरा मौजूद रहीं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम में राज्यमंत्री हुई शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती श्रीमती प्रतिमा बागरी बुधवार को सतना जिले के रामपुर बाघेलन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेला मे आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 अंतर्गत कार्यक्रम में शामिल हुई।

राज्यमंत्री ने किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने ड्रोन का जीवंत प्रदर्शन देखा और अपने हाथों में रिमोट लेकर स्वयं भी ड्रोन उड़ाया। उन्होंने कहा कि खेतो में उर्वरक और कीटनाशक दवा के छिड़काव के लिए ड्रोन अत्यंत लाभकारी है। इससे खेती किसानी के लिए मजदूर नहीं मिलने की समस्या दूर होती हैं। वही छिड़काव में समय और श्रम की बचत होती है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह परिहार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक, विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कृषक और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को प्रदेश स्तरीय होंगे कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया है। वर्ष 2015 से सारी दुनिया में योग के प्रति उत्साही भागीदारी देखी गई है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूर्ण हो रहा है। इस अवसर पर वृहद रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के साथ-साथ काउंट डाउन एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

प्रदेश में जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे। इसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा संस्थान, आयुष, नर्सिंग, पशु चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, पॉलीटेक्निक, आईटीआई के साथ निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की भागीदारी रहेगी। प्रदेश के समस्त संस्थानों में योग दिवस में भाग लेने के लिये आयुष मंत्रालय भारत सरकार की लिंक में आयोजक के रूप में पंजीयन कराया जाना है। जिससे भारत सरकार स्तर पर प्रदेश में आयोजन की संख्या निर्धारित हो सके।

भारत सरकार द्वारा इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की निर्धारित थीम एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिये योग रखी गई है। प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर भी सामूहिक योग के लिये विशेष व्यवस्था की जा रही है। सामूहिक योग कार्यक्रम की शुरूआत 21 जून को प्रातः 6 बजे से होगी। सामूहिक योग की प्रक्रिया प्रातः 7.45 पर संपन्न हो जायेगी।

सुदामा चरित्र के साथ निर्विघ्न संपन्न हुई श्रीमद् भागवत कथा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सरभंग मुनि की पावन तपोस्थली में सरभंगा टाइगर रिजर्व बनाए जाने हेतु आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान द्वारा संकल्पित श्रीमद भागवत कथा के सप्तम दिवस में कथा व्यास श्री बड़े देव स्वामी आश्रम के महंत भागवत भास्कर आचार्य डॉ श्री विपिन कृष्ण महाराज जी ने विश्राम दिवस की कथा में सुदामा जी का पावन चरित्र सुनाया कि मित्रता का रिश्ता सबसे अनमोल होता हैं।

भगवान दत्तात्रेय के 24 गुरुओं का वर्णन कलियुग का वर्णन सुनाया तत्पश्चात कार्यक्रम के संयोजक आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के प्रमुख आशुतोष द्विवेदी ने व्यास पीठ के मंच से उद्बोधन किया जिसमे कथा व्यास पर विराजमान कथावाचक आचार्य डॉ विपिन कृष्ण जी महाराज व उनकी टीम का आभार व्यक्त किया तत्पश्चात श्री द्विवेदी ने कहा सरभंगा टाइगर रिजर्व द्वारा संकल्पित श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन निर्विघ्न रूप से संपन्न होने का श्रेय सरभंगा टाइगर रिजर्व के समस्त शुभचिंतकों को है टाइगर रिजर्व के निमित्त सरभंग ऋषि की पावन तपस्थली में इस भव्य व दिव्य आयोजन का अनुयायी बनने का जो गौरव मुझे प्राप्त हुआ है उसका अजीवन में आभारी रहूंगा।

आगे श्री द्विवेदी ने आयोजक रमेश मिश्रा अमिरती,कैलाश सिंह बुंदेला,ठाकुर प्रसाद मिश्रा,कुलदीप सिंह पगार,जय सिंह खोरढ़ी,राजेंद्र सिंह खोरढ़ी,राजाभैया यादव,अंकित शुक्ला सभापुर,मंटी मिश्रा,बिब्बी मिश्रा,शिवा यादव,रोहित केवट, विक्रम पांडेय,पंकज मिश्रा का आभार व्यक्त किया वहीं पूरे कार्यक्रम में छेत्र में भारी उत्साह देखने को मिला वहीं इस समय सरभंगा आश्रम में सरभंगा टाइगर रिजर्व के समर्थकों व प्रेमियों का जनसैलाब देखने को लगातार मिलता रहा ।

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की कृषि आदानों की समीक्षा

खेती को आधुनिक बनाने के लिए उन्नत तकनीक किसानों तक पहुंचाएं - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कृषि आदानों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि आगामी 18 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा रबी फसल की उपलब्धियों तथा खरीफ फसल की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। गत बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन तीन दिवस में प्रस्तुत करें।

खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। खेती के बेहतर होने से इसमें सुधार होगा। खेती को आधुनिक बनाने के लिए उन्नत तकनीक किसानों तक पहुंचाएं। खेती के साथ-साथ किसानों को पशुपालन, मुर्गीपालन और मछलीपालन से जोड़कर उन्हें आर्थिक विकास का अवसर दें। इसके लिए फसलवार वर्ष भर की कार्ययोजना तैयार करें। विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों से मिले सुझावों को भी कार्ययोजना में शामिल करें। समन्वित प्रयासों से ही खेती बेहतर होगी।

कमिश्नर ने कहा कि शासन द्वारा फसल विविधीकरण पर लगातार जोर दिया जा रहा है। किसानों को आगामी फसल में धान के स्थान पर दलहन और तिलहनी फसलों के लिए प्रेरित करें। इनके रकबे में वृद्धि करने के लिए आवश्यक उपाय करें। दलहन तथा तिलहन फसलों के उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाएं। उद्यानिकी फसलों की भी संभाग के सभी जिलों में अच्छी संभावना है। कई किसान सब्जी और फलों की अच्छी खेती कर रहे हैं। अन्य किसानों को भी उद्यानिकी फसलों से जोड़ें। संयुक्त संचालक कृषि सभी जिलों की कृषि विकास की कार्ययोजना तैयार कराएं। कलेक्टर कृषि आदान तथा कृषि संबद्ध विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें। जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण पर भी लगातार निगरानी रखें।

बैठक में कमिश्नर ने कृषि उपज मण्डियों की रैंकिंग में सुधार, बीज निगम द्वारा बीजों के प्रमाणीकरण, एफपीओ द्वारा तैयार बीजों के प्रमाणीकरण एवं मोटे अनाजों की खेती के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि आगामी 14 जून को पुनः संभागीय समीक्षा बैठक में एपीसी बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की जिलेवार समीक्षा की जाएगी। सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, उप संचालक मण्डी बोर्ड, क्षेत्रीय संचालक विपणन संघ तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर तथा कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी बैठक में शामिल रहे।

प्रिज्म जॉनसन ने लॉन्च किया 'प्रिज्म चैम्पियन ऑल वेदर गोल्ड शील्ड सीमेंट'

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। निर्माण क्षेत्र में नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने आज 'प्रिज्म चैम्पियन ऑल वेदर गोल्ड शील्ड सीमेंट' का औपचारिक शुभारंभ किया। यह बहुप्रतीक्षित उत्पाद विशेष रूप से भारतीय जलवायु की विविधताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो हर मौसम में निर्माण को मजबूती और टिकाऊपन प्रदान करता है।

लॉन्च समारोह का नेतृत्व प्रिज्म सीमेंट के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ राकेश जैन ने किया। उनके साथ सीएचआरओ प्रवीर रे, प्रेसीडेंट एवम प्लाट हेड मनीष सिंह,वाइस प्रेसिडेंट, एचआरएम एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स मनीष कुमार सिन्हा, हेड कमर्शियल सुखविंदर सिंह, हेड फाइनेंस एवं अकाउंट्स आशीष हिंगड़, प्लांट लॉजिस्टिक्स हेड परमजीत सिंह एवं जोनल मैनेजर (म.प्र.) हितेन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीमेंट से लदे ट्रकों को झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ राकेश जैन ने कहा, "हम हमेशा से अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता और नवाचार-आधारित उत्पाद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'प्रिज्म चैम्पियन ऑल वेदर शील्ड सीमेंट' हर मौसम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करता है। यह प्रिज्म ब्रांड की गुणवत्ता और उपभोक्ता विश्वास का प्रतीक है।"

नवीनतम तकनीक और टिकाऊपन का मेल

प्रेसीडेंट एवम प्लाट हेड मनीष सिंह ने उत्पाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह सीमेंट एक विशेष वॉटर रिपेलेंट फॉर्मूला के साथ आता है, जो नमी और सीलन से बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। इसकी उन्नत कंपोजिशन से संरचनाओं में दरारें नहीं आतीं और निर्माण वर्षों तक स्थिर एवं मजबूत बना रहता है। यह पर्यावरण के अनुकूल है और ऊर्जा दक्ष निर्माण में सहायक है।इस आशय की जानकारी प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के एजीएम (सीएसआर एवं जनसंपर्क) देवेन्द्र मिश्रा ने प्रदान की।

उद्यान विकसित करने कलेक्टर ने दी अनुमति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा शासकीय स्वशासी परिनातकोत्तर महाविद्यालय गहरा नाला सतना के प्राचार्य की सहमति और महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सतना के अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर औद्योगिक क्षेत्र सतना के ग्रीन वेल्ट के लिए आरक्षित क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु लिखित शर्त अनुसार महाविद्यालय को 15 एकड भूमि पर निःशुल्क मियावाकी वृक्षारोपण जैव विविधता उद्यान, प्राकृतिक अनुभव उद्यान विकसित किये जाने की अनुमति संस्थापक ग्रीन यात्रा ट्रस्ट 308 ईको स्टार विश्वेश्वर नगर रोड चूडीबाडी, गोरे गांव पूर्वी मुम्बई को प्रदान की गई है।

विचार

भारत माता के अमर क्रांतिकारी सपूत

पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम मुरलीधर था जो एक ब्राह्मण परिवार से थे और आय का मुख्य साधन पूजा-पाठ और संस्कृत अध्यापन था। माता का नाम मूलमती था। बिस्मिल बचपन से ही तेजस्वी, जिज्ञासु और आत्मनिर्भर स्वभाव के थे। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत सामान्य थी, फिर भी उनके माता-पिता ने उन्हें नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्कारों से परिपूर्ण किया। राम प्रसाद ने प्रारंभिक शिक्षा अपने गाँव और बाद में शाहजहाँपुर के आर्य समाज विद्यालय में प्राप्त की। उन्होंने संस्कृत, हिंदी और उर्दू भाषाओं में विशेष दक्षता प्राप्त की। बचपन में ही राम प्रसाद ने न केवल धार्मिक ग्रंथों में रुचि ली बल्कि राष्ट्रभक्ति और आत्मगौरव की भावना उनके भीतर गहराई से बस गई। जब वे किशोरावस्था में पहुँचे, तो देश की दुर्दशा देखकर उनके मन में ब्रिटिश शासन के प्रति विरोध की भावना प्रबल होने लगी। यह भावना उस समय और तीव्र हुई जब उन्होंने देखा कि भारतीय जनता अंग्रेजों के शासन में दयनीय स्थिति में जीवन जी रही है। यही वह काल था जब उन्होंने 'बिस्मिल' उपनाम से कविताएँ और लेख लिखना आरंभ किया।

बिस्मिल की विचारधारा का निर्माण मुख्यतः आर्य समाज और स्वामी दयानंद सरस्वती के सिद्धांतों से हुआ। वे सत्यार्थ प्रकाश के नियमित पाठक थे और आर्य समाज के सुधारवादी विचारों को आत्मसात करते थे। उन्होंने आर्य समाज के मंच से सामाजिक कुरीतियों, धार्मिक अंधविश्वासों और गुलामी के खिलाफ स्वर उठाना शुरू किया। आर्य समाज ने उनमें आत्मबल, राष्ट्रप्रेम और निर्भीकता का बीज बोया। यही वह संगठन था जिसने उन्हें राष्ट्र की मुक्ति के लिए क्रांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आर्य समाज के प्रभाव में रहकर उन्होंने न केवल धार्मिक स्तर पर पुनर्जागरण की दिशा में कार्य किया, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक चेतना भी जागृत की। बिस्मिल का मानना था कि भारत की स्वतंत्रता केवल सुधारवाद से नहीं आएगी, इसके लिए क्रांतिकारी कदम उठाने होंगे। इसी सोच ने उन्हें अनुशीलन समिति, फिर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (।।क्र) जैसी क्रांतिकारी संस्थाओं की ओर खींचा। वे कविताओं, लेखों और पुस्तकों के माध्यम से जनता को जगाने लगे। उनके लेखों में क्रांति की गरिमा और स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष की प्रेरणा स्पष्ट झलकती है। उन्होंने 卐मेरी आत्मकथा卐, 卐कैदियों की माताएं卐, 卐स्वदेश प्रेम卐 जैसी रचनाएँ लिखीं जो आज भी क्रांतिकारी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

सन 1924 में राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आज़ाद, योगेश चंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ सान्याल और अन्य साथियों के साथ मिलकर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (।।क्र) की स्थापना करते हैं। इस संगठन का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करके भारत को आज़ाद कराना था। इसका घोषणापत्र 'द रिवोल्यूशनरी' नाम से प्रकाशित हुआ जिसमें ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ पूर्ण असहयोग और हथियारों के प्रयोग की वकालत की गई थी। बिस्मिल न केवल इस संगठन के संस्थापक सदस्य थे, बल्कि इसके वैचारिक, रणनीतिक और साहित्यिक स्तंभ भी थे। उन्होंने संगठन के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने, नवयुवकों को प्रशिक्षित करने, गुप्त बैठकों का आयोजन करने और प्रचार साहित्य तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय अर्थव्यवस्था को दो महत्वपूर्ण तोहफे

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रप के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रप एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गभीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊंचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं।

दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। यदि नकद आरक्षित अनुपात को कम कर दिया जाता है तो बैंकों के पास यह राशि ऋण के रूप में प्रदान करने के लिए उपलब्ध हो जाती है। इससे स्पष्टतः बैंकों की लाभप्रदता में सुधार होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे। इससे, विशेष रूप से व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि सस्ते होंगे और अब प्रति माह ग्राहकों द्वारा इन ऋणों पर अदा की जाने वाली मासिक किश्त की राशि में कमी आएगी और इन नागरिकों के पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध होने लगेगी, जिसे वे अन्य पदार्थों को खरीदने में खर्च कर सकेंगे। साथ ही, ऋण पर ब्याज राशि कम होने से विभिन्न उत्पादक कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी क्योंकि उन्हें अब बैंकों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना होगा। लाभप्रदता में होने वाली इस अतिरिक्त वृद्धि के चलते यह कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में गम्भीरता से विचार करेंगी क्योंकि उत्पादों की होने वाली मांग में वृद्धि की पूर्ति जो करनी है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून 2025 माह में घोषित मौद्रिक नीति को अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा हाल ही के वर्षों में घोषित की गई सबसे बेहतरीन मौद्रिक नीति माना जा रहा है। इस मौद्रिक नीति को भारत के शेयर बाजार ने भी दिनांक 6 जून 2025 को त्वरित सकारात्मक उत्तर दिया और निफ्टी एवं सेन्सेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्याज दरों से जुड़े क्षेत्रों विशेष रूप से बैंकिंग, रीयल एस्टेट एवं ऑटो क्षेत्र की कम्पनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। दरअसल अधिकतर अर्थशास्त्री रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की उम्मीद कर रहे थे परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा करते हुए अपनी आक्रात्मक नीति का परिचय दिया है। अतः रेपो दर में उम्मीद से अधिक कटौती होने पर निवेशकों का भारतीय कम्पनियों, विशेष रूप से वे कम्पनियां जो घरेलू मांग एवं ऋण पर निर्भर रहती हैं, पर भरोसा बढ़ा है।

भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता एवं उत्पादों की बिक्री में लगातार हो रहे तेज सुधार के चलते इन भारतीय कम्पनियों की साख अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बढ़ेगी। आगे आने वाले समय में यह कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप भी ले सकती हैं। और फिर, ब्याज दरों में लगातार की जा रही कमी के चलते इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत भी कम होगी जिससे इन कम्पनियों के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। हां, भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने स्टैन्स को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल जरूर कर दिया है जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में आगे आने वाले समय में आवश्यकता पड़ने पर बढ़ौतरी कर सकता है। जबकि अकोमोडेटिव स्टैन्स में रेपो दर में केवल कमी करने की सम्भावना निहित रहती है। परंतु, आगे आने वाले समय में यदि मंहगाई की दर पर नियंत्रण बना रहता है जिसकी सम्भावना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी की गई है और औसत मंहगाई दर के अनुमान को 4 प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत कर दिया गया है। अतः बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक को न्यूट्रल स्टैन्स के बावजूद रेपो दर में कमी ही करनी पड़ सकती है।

कुल मिलाकर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मंहगाई की दर में आई कमी एवं विकास दर में आई सुस्ती को देखते हुए रेपो दर एवं नकद आरक्षित अनुपात में आक्रात्मक रूप से की गई कटौती को एक सक्रिय निर्णय कहा जा सकता है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी, उद्योग जगत अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से अपने पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर विचार करेगा। चूंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर अब नियंत्रण में है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में विकास दर को बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। हालांकि अपने स्टैन्स को न्यूट्रल रखकर मुद्रा स्फीति एवं वैश्विक स्तर पर विभिन्न जोखिमों पर भी नजर बनाए रखने का आभास दिया है। इसीलिए विभिन्न अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा इस मुद्रा नीति को एक क्रांतिकारी कदम बताया जा रहा है।

विकास को मुंह चिढ़ा रही कुप्रथाएं

बिहार में मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डायन होने के आरोप में गांव वालों ने घसीटा, पीटा और मैला पिलाने की कोशिश की। यह घटना अंधविश्वास और डायन प्रथा की वजह से हुई, जो बच्चों की बीमारी का दोष महिला पर मढने के लिए की गई। देश के राज्यों में ऐसी घटनाएं निजी दुश्मनी या संपत्ति हड़पने के लिए आम हैं। मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बना है किन्तु ऐसे कानूनों का भी वही हाल है, जैसा निर्भया बलात्कार कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का हुआ है। निर्भया मामले के बाद फांसी तक प्रावधान किया गया, इसके बावजूद देश में ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इससे जाहिर है कि सिर्फ कानून के बूते महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को नहीं रोका जा सकता।

मुजफ्फरपुर की यह वारदात डायन प्रथा की कोई इकलौती घटना नहीं है। झारखंड, बिहार, असम, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आज भी डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। परिवार की सम्पत्ति हड़पने की साजिश में, कभी निजी दुश्मनी में, तो कभी महज बीमारी और अनहोनी के लिए एक बलि का बकरा खोजने के बहाने के रूप में महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। क्रूरता के कलंक की यह कथा भारत में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और ओडिशा सहित कई राज्यों में कानूनी प्रावधानों को ठेंगा दिखाते हुए बेखौफ जारी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़े इस अमानवीय सच्चाई की केवल एक झलक दिखाते हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में डायन प्रथा के नाम पर देशभर में 85 हत्याएं दर्ज हुईं। लेकिन

जो दर्द पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, उसकी संख्या कहीं अधिक है। कई पीड़ित महिलाएं तो कभी पुलिस स्टेशन तक पहुंच ही नहीं पातीं। डर, समाज का दबाव और अक्सर पुलिस की अनदेखी, इस काली गिनती को अधूरा छोड़ देती है। एनसीआरबी के 2014 में आंकड़े के मुताबिक् झारखंड में 2012 से 2014 के बीच 127 महिलाओं की हत्या डायन बताकर कर दी गई। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में तत्कालीन गृह राज्यमंत्री एचपी चौधरी ने ये आंकड़े बताए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों में कमी आई है, लेकिन इसे पूरी तरह से खत्म होने में शायद अभी भी दशकों लग जाएं। यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (2021) की रिपोर्ट बताती है कि 2009 से 2019 के बीच विश्व के 60 देशों में करीब 20,000 ऐसी घटनाएं सामने आईं, जहां लोगों को डायन बताकर प्रताड़ित किया गया। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ओडिशा के 30 जिलों में से 12 जिलों, विशेषकर मयूरभंज, क्योंझर, सुंदरगढ़, मलकानगिरी, गजपति और गंजम- में डायन-शिकार अभी भी अत्यधिक प्रचलित है। इस तरह की अंधविश्वासी प्रथाओं के ज़्यादातर शिकार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या फसल खराब होने के कारण होते थे। अध्ययन के अनुसार, लगभग 27 प्रतिशत मामले बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण, 43.5 प्रतिशत वयस्क परिवार के सदस्य की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण, 24.5 प्रतिशत दुर्भाग्य या ज़मीन हड़पने के कारण और 5 प्रतिशत फसल खराब होने के कारण होते हैं। इस खौफनाक कुप्रथा की सबसे बड़ी शिकार महिलाएं बनती हैं। खासकर वे जो विधवा हैं, अकेली हैं या मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रही हैं। समाज के बीमार हिस्से ने इन्हें हर अनहोनी का कारण मान लिया है। अगर किसी घर में कोई बीमार पड़ जाए, फसल खराब हो जाए या गांव में कोई अनजानी विपत्ति आ जाए, तो इन बेबस महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है। अंधकार के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। असम की बीरूबाला राभा ने इसी प्रथा के खिलाफ अकेले मोर्चा खोला था। उन्होंने अपना पूरा जीवन डायन प्रथा के खिलाफ संघर्ष में झोंक दिया. उनकी मेहनत रंग लाई और असम में इसके खिलाफ कानून बना। असम सरकार का दावा है कि इस कानून के प्रावधान दूसरे राज्यों के ऐसे कानूनों के मुकाबले कठोर हैं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि महज कानून बना कर सदियों पुरानी इस कुप्रथा को खत्म करना संभव नहीं है। इसके लिए बड़े पैमाने पर सामाजिक जागरूकता जरूरी है। दिल्ली स्थित संगठन पार्टनर्सस फार ला इन डेवलपमेंट नामक एक संगठन ने अपने शोध में कहा कि डायन प्रथा की जड़ें पितृसत्तात्मक मानसिकता, आर्थिक झगड़ों, अंधविश्वास और दूसरी निजी और सामाजिक संघर्ष में छिपी हैं। ज्यादातर मामले पुलिस के पास ही नहीं पहुंचते। ऐसे में सरकारी आंकड़े इस भयावह समस्या की सही तस्वीर नहीं दिखाते। देश में डायन प्रथा कब से शुरू हुई, इसका कोई प्रामाणिक इतिहास तो नहीं मिलता लेकिन यह सदियों पुरानी है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में डाकन या डायन प्रथा कोई छह-सात सौ साल पहले से चलन में थी। इसके तहत अपनी जादुई ताकतों के कथित इस्तेमाल से शिशुओं को मारने के आरोप में महिलाओं की पीट-पीट कर हत्या कर दी जाती थी। उस दौर में वहां हजारों औरतें इस कुप्रथा का शिकार हुई थीं।

राजपूत रियासतों ने 16वीं सदी में कानून बना कर इस प्रथा पर रोक लगा दी थी। वर्ष 1553 में उदयपुर में पहली बार इसे गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। बावजूद इसके यह बेरोक-टोक जारी रही। यह प्रथा असम के मोरीगांव जिले में फली-फूली। इस जिले को अब काले जादू की भारतीय राजधानी कहा जाता है। दूर-दराज से लोग काला जादू सीखने यहां आते हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2000 से 2016 के बीच देश के विभिन्न राज्यों में डायन करार देकर 2,500 से ज्यादा लोगों को मार दिया गया। उनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। इस मामले में झारखंड का नाम सबसे ऊपर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में वर्ष 2001 से 2014 के बीच डायन होने के आरोप में 464 महिलाओं की हत्या कर दी गई। उनमें से ज्यादातर आदिवासी तबके की थीं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि एनसीआरबी के आंकड़े तस्वीर का असली रूप सामने नहीं लाते। डायन के नाम पर होने वाली हत्याओं की तादाद इससे कई गुनी ज्यादा है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में डायन के खिलाफ लोगों की एकजुटता की वजह से ज्यादातर मामले पुलिस तक नहीं पहुंच पाते। डायन प्रथा हो या निर्भयाकांड, सरकारें कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी को पूरा मान लेती हैं, जमीनी धरातल पर हकीकत में तस्वीर बदले या न बदले।

सूदखोर तोमर-ब्रदर्स के करीबियों के घर पुलिस का छापा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के तोमर ब्रदर्स के घर से करीब 37 लाख कैश सोने-चांदी के जेवरात के अलावा हथियार भी मिले थे। रायपुर के तोमर ब्रदर्स के घर से करीब 37 लाख कैश सोने-चांदी के जेवरात के अलावा हथियार भी मिले थे।रायपुर के सूदखोरी तोमर ब्रदर्स के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। मंगलवार की रात पुलिस ने वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर के दो करीबी के घर छापेमारी की। दोनों करणी सेना से जुड़े हुए हैं। जांच में पता चला है कि, दोनों तोमर ब्रदर्स के भरोसेमंद हैं और उनके सूदखोर के काम में सहयोगी है।

दरअसल, हनुमान वाटिका भाठागांव में ऋषभ सिंह के घर और वालफोर्ट सिटी स्थित रविन्द्र सिंह के ठिकानों पर पुलिस ने छानबीन की। जांच के दौरान दोनों के घरों से सोने-चांदी के जेवरात, कैश और प्रॉपर्टी से जुड़े कई दस्तावेज मिले है। इसके अलावा तोमर ब्रदर्स से जुड़े प्रॉपर्टी दस्तावेज भी बरामद हुए हैं।

कोर्ट से सर्च वारंट लेकर की गई कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, ऋषभ सिंह खुद को करणी सेना का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बताता है। जांच में पता चला है कि, दोनों तोमर ब्रदर्स के कारोबार के सहभागी हैं। दोनों के नाम पर तोमर ब्रदर्स ने लाखों रुपए निवेश किया है। इसलिए कोर्ट से सर्च वारंट लेकर दोनों के मकान की तलाशी ली गई।

आरोपी रोहित तोमर सूदखोरी, मारपीट और ब्लैकमेल के मामले में जेल भी जा चुका है। आरोपी रोहित तोमर सूदखोरी, मारपीट और ब्लैकमेल के मामले में जेल भी जा चुका है। छापेमारी की कार्रवाई के दौरान एडिशनल एसपी, सीएसपी समेत कई थानों के प्रभारी और क्राइम ब्रांच की टीम बड़ी संख्या में पहुंची थी। इस मामले में आज शाम तक अधिकारी बड़ा खुलासा कर सकते हैं। रायपुर पुलिस को शक है कि, वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर यूपी में छिपे है। रायपुर से पुलिस जल्द ही उत्तर प्रदेश जाएगी।

युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से शिक्षा व्यवस्था को मिली नई मजबूती

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेशभर में संचालित युक्तियुक्तकरण अभियान के सकारात्मक परिणाम अब ज़मीनी स्तर पर नज़र आने लगे हैं। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालयों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। यह उपलब्धि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

शासन के निर्देशानुसार जिले में संचालित विद्यालयों की व्यापक समीक्षा की गई, जिसमें यह पाया गया कि युक्तियुक्तकरण से पहले जिले में कुल 3 प्राथमिक शालाएं पूर्णतः शिक्षक विहीन थीं। इसके अलावा 1 हाई स्कूल भी ऐसा था जहाँ एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं था। इन सभी विद्यालयों में युक्तियुक्तकरण के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

अब जिले में कोई भी प्राथमिक या हाई स्कूल शिक्षक विहीन नहीं है, जो प्रशासनिक सजगता और शिक्षा विभाग की तत्परता को दर्शाता है। हालांकि अभी भी 2 प्राथमिक शालाएं एकल शिक्षकीय स्वरूप में संचालित हो रही हैं, जहां केवल एक-एक शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन विद्यालयों को भी शीघ्र बहु-शिक्षक विद्यालयों में परिवर्तित करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

विकासखंड मनेंद्रगढ़, चिरमिरी और भरतपुर के ग्रामीण व वनांचल क्षेत्रों में स्थित इन विद्यालयों में पहले शिक्षक नहीं होने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती थी। अब, युक्तियुक्तकरण के बाद इन शालाओं में नियमित पठन-पाठन प्रारंभ हो चुका है, जिससे छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है।

शिक्षा विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि "शिक्षकों की तैनाती में असंतुलन को समाप्त करने के लिए राज्य सरकार ने जो नीति अपनाई है, उसका सकारात्मक प्रभाव सामने आने लगा है। अब हम प्रयासरत हैं कि शेष एकल शिक्षकीय शालाओं को भी बहु-शिक्षकीय बनाया जाए ताकि शिक्षकों पर कार्य का भार संतुलित हो और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।"

उन्होंने आगे बताया कि युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में जिले के सभी विकासखंडों से प्राप्त डेटा का गहन विश्लेषण कर प्राथमिकता के आधार पर रिक्त शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। साथ ही, जहां आवश्यकता है, वहां पर त्वरित समाधान की दिशा में भी कार्य हो रहा है।

'देश को 10वें से चौथे स्थान पर लेकर आए मोदी' : सीएम साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, साल 2014 तक भारत इकोनामिक क्षेत्र में 10वें स्थान पर था, लेकिन 10 साल के परिश्रम से पीएम मोदी उसको पांचवें स्थान पर ले आए हैं। अब एक और पायदान आगे घटकर चौथे स्थान पर खड़ा कर दिया है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ही हो सका है।दरअसल, सीएम साय ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। जहां सीएम ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं।

मुख्यमंत्री साय ने कोविड काल को याद करते हुए कहा कि, हमारा तो वसुधैव कुटुंबकम का नारा है। कोविड के समय, प्रधानमंत्री के कारण पहली बार ऐसा हुआ कि हम लोग अपने देश में ही वैक्सीन ईजाद कर अपने लोगों को बचा पाए। इतना ही नहीं अन्य 100 से ज्यादा देशों को वैक्सीन भेजकर उनका भी सहयोग किया।कई देशों ने प्रधानमंत्री को हनुमान जी की संज्ञा दी है। जिस तरह से लक्ष्मण मूर्छित हुए तो संजीवनी पहाड़ लाकर हनुमान जी ने लक्ष्मण जी की रक्षा की। उसी तरह से कुछ देशों ने हनुमान जी का दर्जा प्रधानमंत्री को दिया है। यह भी 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है।

देश आतंकवाद और प्रदेश नक्सलवाद से मजबूती से लड़ रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारा देश किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन कोई छेड़ता है तो हम उसे छोड़ते भी नहीं है। सर्जिकल स्ट्राइक हो चाहे ऑपरेशन सिंदूर हो यह सब हम लोगों के लिए गौरव की बात है। आज हम छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलवाद के साथ मजबूती से लड़ाई लड़ पा रहे हैं और वहां शांति व्यवस्था कायम करने में सफल हो रहे हैं, तो इसमें भी प्रधानमंत्री का आशीर्वाद है। छत्तीसगढ़ में 425 माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया गया है। 1388 माओवादी आत्मसमर्पण किया और 1443 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। यह सब प्रधानमंत्री के कारण ही संभव हुआ है। जो बड़े-बड़े नक्सली थे। बसवा राजू और सुधाकर जैसे प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से हमारे जवान उनको न्यूट्रलाइज करने में सफल हुए हैं।

इतने पीएम आवास बने की मिस्त्री नहीं मिल रहे

सीएम ने कहा कि, प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ से वादा था कि, भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो मुख्यमंत्री का पहला काम होगा। गरीबों का आवास स्वीकृत करना। पहली कैबिनेट की बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी गई।आज पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास का निर्माण का काम चल रहा है। इतने स्वीकृत हो गए हैं। अभी हम सुशासन तिहार के दौरान लोगों से पूछा कि, मकान बनने में देरी क्यों हो रही है, तो पता चला कि, इतने मकान बन रहे हैं कि राज-मिस्त्रियों की कमी हो गई है।

नाबालिग सहेलियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। सरगुजा जिले के केदमा में खाट में एक साथ सोई नाबालिग सहेलियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों को देर रात चक्कर आने, पेट दर्द एवं उल्टी होने पर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। एक की उदयपुर हॉस्पिटल में एवं दूसरी की अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मौत हो गई। चिकित्सकों ने दोनों को जहरीले सांप द्वारा डसने की आशंका है। मामला उदयपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, उदयपुर थाना क्षेत्र के केदमा चौकी अंतर्गत ग्राम बड़ेगांव निवासी सुबासो मझवार (14 वर्ष) एवं निर्मला मझवार (13 वर्ष) दोनों सहेलियां गांव के ही दो अन्य किशोरियों अंजनी, ललिता तथा युवक बीर सिंह के साथ एक सप्ताह से धान कटाई करने लालपुर गांव जा रहे थे। दोनों मंगलवार की शाम धान की कटाई कर वापस लौटे।

मंगलवार की रात खाना खाटकर सुबासो और निर्मला दोनों एक ही खाट में सोए थे। रात करीब 1 बजे सुबासो की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगी। उसने पास में सोई अन्य सहेलियों को भी जगाया। कुछ देर बाद निर्मला ने भी चक्कर आने की शिकायत की।

परिजनों ने तुरंत दोनों को केदमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार केंद्र में हालत नहीं सुधरने पर उन्हें सुबह 6 बजे सीएचसी उदयपुर में भर्ती किया गया। कुछ देर बाद सुबासो की मौत हो गई। सीएचसी उदयपुर में सुबासो की मौत के बाद निर्मला को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। यहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। एक साथ 2 नाबालिग सहेलियों की मौत से परिजन सदमें में हैं।

ड्रग-सप्लायर 2 लड़की समेत 5 को 10-10 साल की जेल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के स्पेशल कोर्ट ने ड्रग सप्लाई करने वाले दो लड़कियों समेत 5 उनके लोगों को 10-10 साल की सजा सुनाई है। सभी दोषियों को 1-1 लाख रुपए जुर्माना भी देना होगा। जुर्माना नहीं भरने पर सभी को अतिरिक्त दो साल की सजा भुगतनी होगी। मेथामफेटामाइन (एमडी) की तस्करी में दोषी अभय कुमार मिर्च, प्रखर मारवा, मोहम्मद ओवेश, प्रिया स्वर्णकार और नेहा भगत को दोषी ठहराते हुए एनडीपीएस के स्पेशल जज पंकज कुमार सिन्हा ने यह सजा सुनाई है।

यह पूरा मामला 25 दिसंबर 2022 का है। पुलिस ने सूचना मिली थी कि न्यू ईयर की पार्टीज में ड्रग खपाने की फिराक में कुछ लड़के-लड़कियों ने रायपुर में ड्रग्स लाया है। ये ड्रग्स की डील कर रहे थे। अम्बुजा मॉल के पास लग्जरी कार में लड़के-लड़कियां मौजूद थे। इसी दौरान एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और पंडरी पुलिस ने सभी को रंगे हाथ पकड़ लिया।

पुलिस की पूछताछ में इस गैंग ने बात कबूली है कि, न्यू ईयर की पार्टी में खपाने के लिए ड्रग्स लाया गया है। पुलिस के पास भी इनपुट था कि जश्न की आड़ में ड्रग्स बाजी की जाएगी। पुलिस ने गिरफ्तार हुए गैंग के पास ड्रग्स के 18 पैकेट बरामद किए थे।प्रखर दलदल सिवनी के तेंदुआ अपार्टमेंट का रहने वाला है, अभय कुमार तेलीबांधा, मोहम्मद आवेश बैरन बाजार, प्रिया मारुती रेसीडेंसी अमलीडीह और नेहा शंकर नगर की रहने वाली है।खतरनाक नशे के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सजा को उचित ठहराया

कोर्ट में अभियोजन पक्ष ने पांचों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पेश किए, जिसमें उनके मादक पदार्थों के अवैध व्यापार में शामिल होने की पुष्टि हुई। अदालत ने इस अपराध की प्रकृति को देखते हुए किसी भी प्रकार की उदारता दिखाने से मना कर दिया। खासकर, खतरनाक नशे के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सजा को उचित ठहराया गया। मामले की विवेचना निरीक्षक दीपक पासवान ने की।

छत्तीसगढ़ में कोविड के 7 और मरीज मिले, कुल केस 69, एक्टिव 48

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को कोविड 7 नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर से 2, बिलासपुर से 3, दुर्ग और बेमेतरा में एक-एक मरीज हैं। इसके प्रदेश कोविड केसेस की कुल संख्या 69 हो गई है। इनमें से 21 रिकवर हो चुके हैं। वहीं 48 एक्टिव हैं। पिछले 3 दिनों की बात करें तो कोविड के कुल 20 मरीज मिले हैं।

इस महीने कोविड के सबसे ज्यादा मरीज बीते शुक्रवार को यानी 6 मई को मिले थे। एक ही दिन में रायपुर में 11, बिलासपुर में 5 और बालोद में 1 कुल 17 मरीज मिले थे। नया वैरिएंट आने के बाद से ये एक दिन में सबसे बड़ा आंकड़ा था।इसके बाद पूरा प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर आ गया है। शासकीय जिला अस्पतालों और दूसरे हेल्थ सेंटर्स में टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल सभी तरह के स्टाफ की ट्रेनिंग भी शुरू कर दी गई है।

सैंपल कलेक्शन से लेकर कोविड मरीज के इलाज तक की ट्रेनिंग स्टाफ को दी जा रही है। साथ ही एमरजेंसी सिच्युएशन से निपटने के लिए मॉकड्रिल भी कराई गई है। ओवर ऑल बात करें तो प्रदेश में अब तक रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बालोद, बस्तर और बेमेतरा कुल छह जिलों में कोविड के पेशेंट मिल चुके हैं। 48 एक्टिव केस हैं। 43 होम आइसोलेशन में हैं। 4 ऑक्सीजन सपोर्ट में हैं, वहीं 1 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। सबसे ज्यादा 20 एक्टिव केस रायपुर में है बिलासपुर में 16, दुर्ग में 8, बालोद में 1, बस्तर में 1, महासमुंद 1, बेमेतरा 1 मरीज ।

फिलहाल, स्वास्थ्य विभाग कोविड को लेकर अलर्ट पर है। मेकाहारा के डॉ. आर के पांडा के मुताबिक, ज्यादातर मरीज होम क्वारेंटाइन में ही ठीक हो जा रहे हैं, लेकिन उन मरीजों को ज्यादा खतरा है, जिन्हें पहले से दूसरी या एक से ज्यादा बीमारियां हैं। खासकर डायबिटीज पेशेंट और चेन स्मोकर्स नए वैरिएंट के चपेट में जल्दी आ सकते हैं।

देशभर में कोविड से 51 मौतें

वहीं, अगर देशभर की बात करें तो 9 राज्यों को छोड़कर बाकी स्टेट्स में कोविड का नया वैरिएंट फैल चुका है। अब तक 6 हजार 491 मरीज मिल चुके हैं, जबकि 65 मौतें हो चुकी हैं। वहीं 6 हजार 861 मरीज ठीक हो चुके हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि नया वैरिएंट पहले की तुलना में कम खतरनाक हैं, फैटेलिटी रेट सिर्फ 2% है।

मेकाहारा में कोविड के सीरियस केस अब तक नहीं आए

मेकाहारा में पल्मोनरी मेडिसिन डिपार्टमेंट के हेड आर के पांडा ने बताया कि कोविड के सीरियस केस अब तक नहीं आए हैं। मेकाहारा में 28 मई से कोविड ओपीडी शुरू कर दी गई है। कोविड का लक्षण दिखने पर तत्काल मरीजों की स्क्रीनिंग की

छत्तीसगढ की हर पंचायत में खुलेंगे बैंक, जशपुर में अपेक्स बैंक शुरू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। आने वाले राष्ट्रीय पंचायती दिवस तक छत्तीसगढ़ की हर पंचायत में बैंक की सुविधा होगी। ये घोषणा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की है। रायपुर में वो बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण और अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। यहां प्रदेश के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप भी मंच में मौजूद थे।

बैंक के नए प्राधिकृत अधिकारी केदार गुप्ता और मंत्री केदार कश्यप के एक जैसे नाम पर चुटकी लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों केदार की जोड़ी सहकारिता के काम को प्रदेश के हर घर तक पहुंचाने का काम करेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा का वर्चुअल शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड़ने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। साय ने कहा कि नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में हमने दुधारू पशु वितरण का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश के 6 जिलों का चयन कर हितग्राहियों को दो-दो दुधारू गाय वितरित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश के किसानों और ग्रामीण जनों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की एक बड़ी पहल हमने इस वर्ष पंचायती राज दिवस से प्रारंभ की है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले गए हैं, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत भवन में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि अगले पंचायती राज दिवस तक यह सुविधा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध हो जाएगी, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

रीवा/सतना की खबरें

छात्रावास अधीक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)।अनुसूचित जाति, जनजाति छात्रावास अधीक्षकों की बुधवार को अपर कलेक्टर सतना स्वप्निल वानखडे की अध्यक्षता में संपन्न एक दिवसीय कार्यशाला में छात्रावास अधीक्षकों को उनके कार्य दायित्वों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह भी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने कार्यशाला में छात्रावास अधीक्षकों से वन-टू-वन चर्चा कर छात्रावास की सीटों के रिक्त रहने की वजह और सीटों को भरने में आ रही कठिनाईयों की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास अधीक्षकों से प्रवेश की प्रि या को अधिक आसान बनाने के संबंध में सुझाव भी लिये। उन्होंने कहा कि छात्रावास अधीक्षक कार्यशाला में दी जा रही ट्रेनिंग को गंभीरता से लें। सभी छात्रावास अधीक्षक अपने निर्धारित मुख्यालय में निवास करते हुए अपने कार्य दायित्वों का कुशलता से निर्वहन करें।

छात्रावास अधीक्षकों ने बताया कि बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनने में विलम्ब, एसटी एससी बच्चों के प्रोफाइल पंजीयन नहीं होने और समग्र तथा आधार में बच्चों के नाम के अंतर, अपार आईडी पंजीयन इत्यादि प्रि याओं से छात्रावासी बच्चों के प्रवेश में कठिनाइयां आती है। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम और तहसीलदारों को पुनः निर्देशित किया जायेगा कि नियमानुसार बच्चों के जाति प्रमाण पत्र शीघ्र बनाये जाये। जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी के माध्यम से निर्देशित किया जायेगा कि कक्षा 7 और 8 में अध्ययनरत एससी, एसटी वर्ग के छात्रों का प्रोफाइल पंजीयन इसी अवधि में शुरू कराये। ताकि छात्र-छात्रायें जब कक्षा 8 उत्तीर्ण करें तो उनका प्रोफाइल पंजीयन सुनिश्चित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे छात्रावासों को भी सूचीबद्ध करे जो बसाहट से बहुत दूरी पर है और बरसात के समय पहुंच विहीन होने वाले छात्रावासों की भी जानकारी दें।

अपर कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास अधीक्षक जब छात्रावास मुख्यालय के अपने आवास में रहेंगे तो बच्चों से भावनात्मक जुडाव होगा और बच्चों के अभिभावकों का छात्रावास के प्रति विश्वास भी बढेगा। जिला संयोजक ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित छात्रावासों की रिक्त सीटें कैसे भरी जाये और छात्रावास अधीक्षक द्वारा संधारित पंजियों और उनके कार्य दायित्वों का प्रशिक्षण कार्यशाला में दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि छात्रावास अधीक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए ब्लाक स्तर पर नोडल छात्रावास अधीक्षक भी बनाये गये हैं। नोडल अधीक्षक संबंधित क्षेत्र के एसडीएम एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के सतत संपर्क में रहकर छात्रावास की स्थानीय समस्याओं का निराकरण करवाते हैं।

डीएटीसीसी की सभा में संरक्षण तथा कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का गठन

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। मध्यप्रदेश शासन पर्यटन विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं अध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (डीएटीसीसी) जिला सतना के लिए साधारण सभा में संरक्षण सदस्य तथा कार्यकारिणी सदस्यों का गठन किया गया है। जारी आदेशानुसार परिषद में साधारण सभा के अध्यक्ष जिले के प्रभारी मंत्री, उपाध्यक्ष सांसद तथा सचिव कलेक्टर होंगे।

जिले के सभी विधायक, अध्यक्ष जिला पंचायत, महापौर नगर निगम, अध्यक्ष नगर पालिका, पुलिस अधीक्षक, आयुक्त नगर निगम, जिला मुख्यालय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, क्षेत्रीय प्रबंध मध्यप्रदेश राज्य क्षेत्रीय पर्यटन विकास निगम, उप संचालक/सहायक संचालक राज्य पुरातत्व विभाग, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तथा जिला जनसम्पर्क अधिकारी को सदस्य बनाया गया है।

इसी प्रकार कार्यकारिणी समिति में कलेक्टर को अध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक, वन संरक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अतिरिक्त कलेक्टर/संयुक्त कलेक्टर, आयुक्त नगर निगम/मुख्य नगर पालिका अधिकारी,क्षेत्रीय प्रबंधक मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, उप संचालक/सहायक संचालक राज्य पुरातत्व विभाग, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सतना तथा महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र सतना को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। साथ ही जिला स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शासकीय सेवकों के एनपीएस कटौती संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी) वरिष्ठ कोषालय अधिकारी सुशील कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि सतना एवं मैहर जिले अंतर्गत समस्त विभागों के एनपीएस श्रेणी के शासकीय सेवकों के मिसिंग एनपीएस कटौत्रा का समायोजन जिला कोषालय सतना से किया जाना है। ऐसे शासकीय सेवकों की सूची सभी आहरण संवितरण अधिकारियों (विभागों) को प्रेषित की गई है। जिसमें एनपीएस श्रेणी के शासकीय सेवकों के कटौत्रे की राशि उनके एनपीएस प्रान खाता में जमा नहीं हुए है।

इस संबंध में समस्त विभागों से सूची अनुसार आईएफएमएस में व्हाउचर एन्ट्री किए जाने हेतु निर्देशित किया गया था। किन्तु विभागों द्वारा व्हाउचर एन्ट्री नहीं की जा रही है। साथ ही प्रतिनियुक्ति एवं स्टायपेंड कर्मचारियों द्वारा चालान के माध्यम से एनपीएस की राशि जमा कराई गई थी। ऐसे चालानों की सूची समस्त विभागों को प्रेषित की गई है। विभाग द्वारा ऐसे चालानों का परीक्षण कर प्रपत्र अ एवं चालान की कॉपी कोषालय को प्रेषित न किए जाने के कारण एनपीएस की राशि संबंधित कर्मचारियों के प्रान खातों जमा नहीं हो पाई है।

ऐसे शासकीय सेवक जिनका दोनों प्रक्रिया में से किसी एक प्रक्रिया के तहत एनपीएस कटौत्रा किया गया है। किन्तु आज दिनांक तक राशि उनके प्रान खातों में जमा नहीं हुई है। वे अपने कार्यालय में सम्पर्क कर ऑनलाइन देयक से कटौत्रा होने की स्थिति में विभागीय आईएफएमएस पोर्टल से व्हाउचर की फीडिंग करावें एवं चालान से राशि जमा किए जाने की स्थिति में निर्धारित प्रारूप 'अ' भरकर चालान की कॉपी के साथ कार्यालय को उपलब्ध करावें। जिससे उनके प्रान खातों में राशि के समायोजन की कार्यवाही कराई जा सके। साथ ही समस्त आहरण संवितरण अधिकारी दोनो प्रक्रिया को अविलम्ब पूर्ण करावें।

अमरनाथ जा रहे बीएसएफ जवानों को खस्ताहाल ट्रेन मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)।अमरनाथ यात्रा के लिए ड्यूटी पर जा रहे 1200 बीएसएफ जवानों ने ट्रेन की खराब हालत देखते हुए चढ़ने से इनकार कर दिया। 5 दिन पुराने इस मामले में रेल मंत्रालय ने 4 रेल अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। 6 जून को जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई, उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे हुए थे।

ट्रेन का वीडियो भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा है, लाइट नहीं है। सीटों पर गद्दियां भी गायब हैं। फर्श पर कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। जवानों के इनकार के बाद 10 जून को दूसरी ट्रेन मुहैया कराई गई। ट्रेन के डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ था जवानों को अमरनाथ तीर्थयात्री ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था। जिस ट्रेन से उन्हें जाना था, उसका बीएसएफ के कंपनी कमांडर ने निरीक्षण किया। ट्रेन की हालत देखकर वे हैरान रह गए। ट्रेन के डिब्बों की हालत काफी खराब थी। इसका इस्तेमाल जवानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए नहीं किया जा सकता। जांच के बाद पता चला कि डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ। हर डिब्बे में जगह-जगह टूटे-फूटे सामान पड़े थे। ट्रेन की खिड़कियों व दरवाजों में छेद थे। अधिकांश सीटों पर गंदगी फैली हुई थी। ट्रेन के कई डिब्बों में बल्ब या बिजली कनेक्शन नहीं था।

उर प्रदेश के किसानों को मोदी सरकार की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)।उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूंगफली और मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की स्वीकृति दे दी है।

बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई। इसमें शाही ने केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया कि जायद 2024-25 में उत्तर प्रदेश में मूंग का आच्छादन 1.60 लाख हेक्टेयर और मूंगफली का आच्छादन 1.74 लाख हेक्टेयर रहा है। उन्होंने प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित जायद की मूंगफली और मूंग को एमएसपी पर खरीदने का आग्रह किया, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

जायद 2024-25 के लिए मूंग के क्रय का लक्ष्य 34,720 मीट्रिक टन और मूंगफली के क्रय का लक्ष्य 50,750 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से बड़ी संख्या में प्रदेश के किसान लाभान्वित होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी आश्वासन दिया है कि आवश्यकता पड़ने पर मूंगफली और मूंग के क्रय के लक्ष्य में वृद्धि की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, उड़द के क्रय के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसका अनुमोदन भी प्रदान कर दिया जाएगा।

किसानों के हित में लिए गए इस अभूतपूर्व निर्णय के लिए कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। प्रदेश के कृषि मंत्री ने केंद्र सरकार से यह भी आग्रह किया है कि जायद में लगभग 4.80 लाख हेक्टेयर में व्यापक पैमाने पर हो रही मक्का की खेती के उत्पादन को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए, जिससे प्रदेश के किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।

पीएम से मिलने वाले मंत्रियों को आरसी-पीसीआर टेस्ट करवाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोनावायरस के केसों और मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले सभी मंत्रियों के लिए आरसी-पीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है।

देशभर में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 7121 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 300 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2223 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1223, दिल्ली में 757 और पश्चिम बंगाल में 747 पॉजिटिव मरीज हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट से 74 मौतें हुई हैं। मंगलवार को 6 लोगों ने जान गंवाई। इनमें केरल में 3, कर्नाटक में 2 और महाराष्ट्र में एक मौत हुई है। बीते 10 दिन में 3000 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 40 मरीजों की मौत हुई है। हर दिन 350 से ज्यादा नए केस दर्ज हो रहे हैं।

केरल के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- कोरोना का नया वैरिएंट बुजुर्गों और दूसरी बीमारियों वाले मरीजों के लिए ज्यादा खतरनाक है। राज्य के सभी अस्पतालों को सर्दी, खांसी और सांस लेने में तकलीफ वाले मरीजों का कोविड टेस्ट करने का निर्देश दिया है।

सोनम समेत 5 आरोपियों को 8 दिन की पुलिस रिमांड

शिलॉन्ग। मेघालय पुलिस ने राजा मर्डर केस में मंगलवार को सोनम और राज समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन्हें शिलॉन्ग लाया गया है। सभी आरोपियों को आज (11 जून) कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने अदालत से इनकी रिमांड मांगी। जिसके बाद कोर्ट ने सोनम समेत सभी आरोपियों को 8 दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। रिमांड पर लेने के बाद मेघालय पुलिस आरोपियों का आमना-सामना करा सकती है। साथ ही सीन रीक्रिएशन भी कराएगी। इधर, सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद ने बुधवार को इंदौर में राजा रघुवंशी की मां उमा रघुवंशी से मुलाकात की। गोविंद राजा की मां के गले

खड़गे बोले- मोदी ने 11 साल में 33 गलतियां की

नई दिल्ली (एजेंसी)।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए हैं। खड़गे ने बुधवार को कहा कि बीते 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33 गलतियां की हैं। मैं 65 साल से राजनीति में हूं, लेकिन उनके जैसा झूठ बोलने वाला प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा। खड़गे ने कहा, हम झूठ बोलते हैं, गलतियां करते हैं, वोट लेने के लिए युवाओं और गरीबों को मूर्ख बनाते हैं। जब हम उनसे सवाल पूछते हैं तो कभी जवाब नहीं देते। वे अपनी गलतियां कभी स्वीकार नहीं करते हैं। वे सिर्फ बोलते रहते हैं। बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार ने बीते सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं सालगिरह मनाई। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने इससे पहले 9 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए मोदी सरकार के 11 सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा था, पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुंचाया है।

कटरा-श्रीनगर वंदे भारत की सभी सीटें 10 दिन तक फुल

श्रीनगर (एजेंसी)।कटरा से श्रीनगर जाने वाली वंदे भारत ट्रेन को लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। अगले 10 दिनों तक की सभी सीटें बुक हो चुकी हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन शुरू होने के पहले दिन से ही लंबी वेटिंग लिस्ट बन गई थी और अब हर दिन बुकिंग की मांग और बढ़ रही है। कटरा और श्रीनगर के बीच दो ट्रेनें चलाई जा रही हैं, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा है कि ये भी कम पड़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस के टिकट वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं। ट्रेन में दो ट्रैवल क्लास हैं। चेयरकार का किराया 715 रुपए और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1320 रुपए है। हफ्ते में 6 दिन दो ट्रेनें कटरा और श्रीनगर के बीच चलेंगी। ये अभी ट्रेनें सिर्फ बनिहाल में रुकेंगी, अन्य स्टॉपेज पर फैसला बाद में होगा।

78 साल के हुए लालू, तलवार से काटा केक

पटना (एजेंसी)। राबड़ी देवी के घर पर लालू यादव ने तलवार से 78 किलो का केक काटा। इस दौरान वे अपने पुराने अंदाज में नजर आए। लालू कुर्सी पर बैठे थे। उनके दोनों पैर सामने टेबल पर थे और हाथ में तलवार थी। इसके बाद लालू यादव ने अपने जन्मदिन का दूसरा केक काटा। इस दौरान उनके साथ राबड़ी देवी भी मौजूद रहीं। राबड़ी देवी ने लालू यादव को केक भी खिलाया। इससे पहले राबड़ी आवास के बाहर समर्थकों ने डांस किया। समर्थक रिक्शों से मिठाइयां लेकर पहुंचे। वहीं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पैर टेबल पर रखकर हाथ में तलवार लेकर अपने अलग अंदाज में केक काटते लालू की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपलोड कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मांझी ने लिखा है, लाठी में तेल पिलवाकर समाज को बांटने वालों के व्यवहार में बदलाव आ ही नहीं सकता। आज जब सरकार में नहीं हैं तो साहेब तलवार से केक काट रहें हैं।

कांग्रेस के पीएम मोदी से 4 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को पीएम मोदी से 4 सवाल किए। जिसमें सर्वदलीय बैठक आयोजित करने, ऑपरेशन सिंदूर पर समीक्षा समिति गठित करना, मानसून सत्र के दौरान 2 दिवसीय चर्चा और पहलगाम हमले के आतंकियों को पकड़ने के लिए की गई कोशिश के सवाल शामिल हैं।

रमेश ने कहा- 32 देशों की यात्रा से लौटे से 7 डेलिगेशन के 51 सांसदों से पीएम का मिलना ठीक है। यह उनका विशेषाधिकार है और ये कोई आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन हमारे पास केवल चार आसान सवाल हैं। हम चाहते हैं कि पीएम इन सवालों का जवाब दें।

1. प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता कब करेंगे। पार्टियों के सांसदों से नहीं बल्कि लीडर्स से कब मिलेंगे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सामने आई भीतरी और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों पर इन लीडर्स को कब विश्वास में लेंगे।

2. कारगिल युद्ध के बाद हमारे पास एक कारगिल समीक्षा समिति थी। क्या सिंगापुर में डीएस के खुलासे के बाद भी ऐसी ही कवायद होगी? क्या समीक्षा होगी? क्या कोई विश्लेषण होगा? क्या कोई रिपोर्ट होगी? क्या इसे संसद में पेश किया जाएगा?

सीजेआई गवई बोले- न्यायिक आतंकवाद से बचें

नई दिल्ली (एजेंसी)।भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कहा कि भारत का संविधान सिर्फ अधिकार नहीं देता, बल्कि समाज के पिछड़े और दबे-कुचले वर्गों को ऊपर उठाने का काम भी करता है। उन्होंने यह बात ऑक्सफोर्ड यूनियन में एक प्रोग्राम के दौरान कही। सीजेआई ने कहा कि देश में ज्यूडिशियल एक्टिविज्म की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन इसे इतना नहीं बढ़ाना चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। न्यायिक सक्रियता जरूरी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं होनी चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। कई बार ऐसा होता है कि न्यायपालिका ऐसे क्षेत्रों में घुस जाती है, जहां उसे नहीं जाना चाहिए।

1. न्यायपालिका को मर्यादा में रहकर हस्तक्षेप करना चाहिए सीजेआई गवई ने कहा कि जब विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने में असफल रहती हैं, तब न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। लेकिन इस हस्तक्षेप की सीमा और मर्यादा होनी चाहिए।

2. भारत में कई दशक तक छुआछूत रहा भारत में कई दशक पहले लाखों नागरिकों को अछूत कहा जाता था। उन्हें अशुद्ध बताया जाता था। कहा जाता था कि वे इस जाति के नहीं हैं।

अजित बोले-हम संत नहीं कि विपक्ष में रहकर नारेबाजी करें

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 26वें स्थापना दिवस के मौके पर डिप्टी सीएम अजित पवार ने भाजपा से गठबंधन के सवालों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा- हम संत नहीं हैं। विपक्ष में बैठकर सिर्फ नारेबाजी और मार्च निकालना काफी नहीं होता है। उन्होंने आगे कहा- हमें लोगों की समस्याओं का समाधान करने और समावेशी राजनीति करने के लिए हैं। कुछ लोग एनडीए गठबंधन के साथ हाथ मिलाने के हमारे फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। जब 2019 में हमने शिवसेना से गठबंधन किया था, तब भी समझौते किए गए थे। दूसरी ओर एनसीपी शरद पवार गुट के कार्यक्रम में सांसद सुप्रिया सुले ने कहा- अजित पवार और मैं हमेशा एक परिवार की तरह साथ रहते हैं। पार्टी विलय के बारे में निर्णय कैमरे पर नहीं, बल्कि टेबल पर बैठकर चर्चा में लिया जाने चाहिए।

कर्नाटक सरकार बोली- बीसीसीआई ने पूरी दुनिया को बुलाया था

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया कि इस इवेंट के लिए किसी तरह की अनुमति नहीं ली गई थी और आयोजकों ने सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया को इस इवेंट में शामिल होने बुला लिया। हाईकोर्ट में आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसले और चार अन्य लोगों की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हो रही है। सोसले ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया है।

सोसले ने 10 जून को कोर्ट में दलील दी थी कि पुलिस अधिकारियों को सिर्फ सस्पेंड किया गया है, वे अरेस्ट नहीं हुए। सिर्फ मेरे साथ ऐसा क्यों किया।

4 जून को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की विक्ट्री परेड में मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। 33 घायल हो गए थे। यहां 3 से 4 लाख क्रिकेट फैंस खिलाड़ियों को देखने आए थे, जो स्टेडियम की क्षमता से कहीं ज्यादा थे।

राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने कोर्ट को बताया कि आरसीबी ने 29 मई को पंजाब के खिलाफ मैच जीत लिया था। टीम को पहले से पता था कि वे फाइनल में पहुंच चुके हैं। इसके बावजूद उन्होंने विक्ट्री परेड या स्टेडियम में होने वाले जश्न के लिए कोई अनुमति नहीं ली।

केरल हाईकोर्ट का प्रियंका को नोटिस

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को नोटिस जारी किया है। इसमें वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव में उनकी जीत को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब मांगा है।

याचिका भाजपा नेता नव्या हरिदास की ओर से दायर की गई है। उन्होंने वायनाड सीट पर प्रियंका के खिलाफ चुनाव लड़ा था। नव्या का आरोप है कि प्रियंका ने अपने नॉमिनेशन फॉर्म में अपनी और परिवार की संपत्तियों की जानकारी सही नहीं दी। नव्या ने दावा किया कि प्रियंका ने जानबूझकर संपत्ति छिपाई, ताकि चुनाव परिणाम प्रभावित हो। यह भ्रष्ट आचरण (करप्ट प्रैक्टिस) की कैटेगरी में आता है। झूठी जानकारी देकर प्रियंका ने आचार संहिता का भी उल्लंघन किया है। याचिका पर अगली सुनवाई अगस्त में होगी।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका खारिज

हिसार (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका हिसार कोर्ट ने खारिज कर दी है। 9 जून को कोर्ट ने ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जिसके बाद उसने जमानत के लिए याचिका दायर की थी। दूसरी तरफ अब ज्योति का चाइना टूर विवादों में आ गया है। चाइना के लोगों, खासकर सोशल मीडिया ब्लॉगरों ने ज्योति को निशाने पर लिया है। ज्योति करीब 1 साल पहले चीन गई थी। इस दौरान ज्योति ने शंघाई शहर में घूमकर वीडियो शूट किए थे और अपने चैनल ट्रैवल विद जो पर अपलोड किए थे। ज्योति ने खाने को बेस्वाद, लड़कियों की हाइट कम होने, वेटर को टिप देते और कार में कपल का वीडियो शूट किया। चीन के लोगों ने कार में कपल का वीडियो बनाने को प्राइवेसी का उल्लंघन बताकर आलोचना की। इसके अलावा ज्योति मल्होत्रा ने बिना शुल्क दिए सड़क किनारे साइकिल उठाकर ड्राइव की थी। इस पर चीन के लोगों ने बताया कि उन्हें गार्ड को अपनी तरफ से पैसे देने पड़े थे। चीन में ज्योति जहां-जहां गई। लोगों ने उसका मजाक बनाया और इसे इंडिया की हाई कास्ट वुमेन कहकर उस पर तंज कसा। चीन के सोशल मीडिया अकाउंट %पहले बहन की बात%, हाय हाय घटना, चीन और विदेशी अवलोकन, जियो डॉक्यूमेंट्री सहित कई चैनलों पर ज्योति की आलोचना की गई। उन्होंने सरकार से ज्योति को चीन में बैन करने की मांग की है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी को लेटर, 2 मांगें उठाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को लेकर पीएम मोदी को लेटर लिखा। जिसमें राहुल ने हॉस्टल में होने वाली असुविधाओं का जिक्र किया। राहुल ने बताया कि वे पिछले महीने बिहार में अंबेडकर हॉस्टल गए थे, जहां स्टूडेंट ने इन समस्याओं को जिक्र किया था। राहुल ने इसके अलावा छात्रों को मिलने वाली स्कॉलरशिप का मुद्दा भी उठाया। राहुल ने लिखा कि दलित, एसटी, इकोनॉमिक बैकवर्ड क्लास ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के स्टूडेंट को मिलने वाली स्कॉलरशिप में देरी न हो। उन्होंने कहा कि स्कॉलरशिप पाने वाले दलित छात्रों की संख्या लगभग आधी हो गई है। 2023 में ये 1.36 लाख थी, जो 2024 में घटकर 0.69 लाख रह गई है। राहुल गांधी 15 मई को बिहार के दरभंगा पहुंचे थे। वहां उन्होंने अंबेडकर छात्रावास में शिक्षा न्याय संवाद% कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि, 90 प्रतिशत आबादी के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। सीनियर ब्यूरोक्रेसी में आपके लोग जीरो, डॉक्टर में आपके कितने लोग..जीरो, एजुकेशन सिस्टम में आपके कितने लोग जीरो, मेडिकल सिस्टम के मालिकों को देखो तो जीरो।

मनरेगा की लिस्ट देखो तो सारे के सारे लोग आपके हैं। मजदूरों की लिस्ट निकालो तो आपके लोगों से भरी पड़ी है। सारा का सारा धन और ठेकेदारी 8-10 प्रतिशत लोगों के हाथों में जाता है। राहुल बिना परमीशन हॉस्टल पहुंचे थे

12 मिनट रुके थे राहुल गांधी के दरभंगा पहुंचने के पहले पुलिस प्रशासन और कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए थे। राहुल दलित- माइनॉरिटी कम्युनिटी के छात्रों से बातचीत करना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें छात्रावास में बातचीत की परमिशन नहीं दी थी।उन्हें दरभंगा के टाउन हॉल में बातचीत की परमिशन दी गई थी, लेकिन राहुल टाउन हॉल ना जाते हुए पैदल छात्रावास ही पहुंचे।

तीन अनकैप्ड विस्फोटक सितारे होंगे टी20 विश्व कप टीम में-उथप्पा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन अनकैप्ड विस्फोटक सितारे निश्चित रूप से अगले साल घर पर होने वाले टी20 विश्व कप खिताब की रक्षा के लिए टीम में होंगे। ये सितारे हैं प्रियांश आर्य, प्रभासिम्रन सिंह और वैभव सूर्यवंशी। यह मानना है पूर्व शीर्ष बैटसमैन रॉबिन उथप्पा का। हाल ही में विभिन्न फ्रेंचाइजियों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सीजन में नई प्रतिभाओं का खुलासा किया जबकि कुछ को भविष्य के लिए लोगों के रूप में पहचाना गया था जिनमें से कुछ ने भारत के टी20आई स्थान के लिए दरवाजा खटखटाया। पंजाब किंग्स की ओपनिंग जोड़ी प्रियाश और प्रभासिम्रन ने पूरे टूर्नामेंट में अपने आक्रामक इरादे से चकाचौंध कर दिया। युवा जोड़ी के अलावा 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए खेलते हुए सुर्खियां बटोरीं और सावधानी और आक्रामकता का मिश्रन दिखाया। युवा तिकड़ी के उदय के साथ भारत अगले साल के मार्की इवेंट के लिए सबसे अच्छे शीर्ष आदेश का पता लगाने में एक बड़ी चुनौती का सामना करेगा। शुबमन गिल और यशसवी जायसवाल ने प्रारूप से एक साल दूर बिताया है। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने उनकी अनुपस्थिति में एक नई उद्घाटन जोड़ी बनाई है। उन्होंने कहा, प्रियाश आर्य, प्रभासिम्रन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, ये सभी निश्चित रूप से एक विश्व कप टीम के लिए दावेदारी में होंगे।

आरसीबी टीम बिकने वाली है! पहला आईपीएल खिताब जीतने के बाद फ्रेंचाइजी को मिलेगा नया मालिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 साल में पहला आईपीएल जीतने वाली आरसीबी को अगले सीजन से पहले नया मालिक मिल सकता है। पहला खिताब जीतने के बाद आरसीबी फ्रेंचाइजी एक नया मालिक तलाश रही है। फ्रेंचाइजी के मौजूदा मालिक इसे बेचना चाहते हैं। दरअसल, एनडीटीवी ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि फ्रेंचाइजी के मालिक डियाजियो पीएसी फ्रेंचाइजी को बेचना चाहते हैं। आरसीबी के मौजूदा मालिक फ्रेंचाइजी को पूरी तरह से या कुछ हिस्सेदारी बेचने के इच्छुक हैं। ये फैसला टीम के पहले आईपीएल खिताब जीतने के बाद बढ़ी फ्रेंचाइजी की ब्रांड वेल्यू को देखते हुए लिया गया है।

वहीं आरसीबी का मालिकाना हक यूनाइटेड स्प्रिट्स लिमिटेड के पास है जो डियाजियो के माध्यम से है। ये कंपनी संभावित निवेशकों से बातचीत कर रही है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर फ्रेंचाइजी का वेल्यूशन को लेकर कोई जानकारी नहीं है। ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि मालिक इस फ्रेंचाइजी की कीमत 16,834 करोड़ रुपये मांग सकते हैं। कंपनी या तो पूरी या आधी हिस्सेदारी को बेचने पर विचार कर रही है।

इस पूर्व कोच ने एमएस धोनी की तारीफ में पढ़े कसीदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। वह आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले भारत के 11वें खिलाड़ी बने। धोनी की कप्तानी में भारत ने 3 आईसीसी खिताब जीते हैं। साथ ही बतौर विकेटकीपर धोनी विकेट के पीछे काफी तेज हैं। धोनी बल्लेबाज को काफी तेज स्टंप करने में माहिर हैं। 43 साल की उम्र में भी धोनी में अभी भी वह फुरती हैं। धोनी ने 2019 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वह आईपीएल में अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए विकेटकीपिंग करते हैं। वहीं लंदन में हॉल ऑफ फेम कार्यक्रम के तहत भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एमएस धोनी की विकेटकीपिंग कौशल की तारीफ की। उन्होंने धोनी की तेज से स्टंपिंग करने की तुलना पॉकेटमार से की है। धोनी को एक समारोह के दौरान आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। कार्यक्रम में शास्त्री ने कहा कि उनके हाथ पॉकेटमार से भी तेज हैं। अगर आप कभी भी भारत में किसी बड़े मैच के लिए हों खासकर अहमदाबाद में तो आप नहीं चाहेंगे कि एमएस धोनी आपके पीछे हो, पीछे नजर रखें, ऐसा न हो कि बटुआ गायब हो जाए।

साथ ही भारतीय पूर्व हेड कोच ने धोनी को लेकर कहा कि, शून्य पर आउट होने के बाद भी उनके हावभाव वैसे ही थे, वर्ल्ड कप जीतने पर भी हावभाव नहीं बदले, शतक भी लगाने पर हावभाव नहीं बदले, वह दो सौ भी लगाते हैं तो हावभाव नहीं बदलते। आप जानते हैं कोई अंतर नहीं होता।

बाबर-रिजवान और शाहीन अफरीदी के टी20 क्रिकेट की राह मुश्किल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट अक्सर अपने बदलाव के कारण चर्चा में रहता है। वहीं अब कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान के तीन मौजूदा सुपर स्टार क्रिकेटर्स के टी20 करियर पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी अब पीसीबी के टी20 प्लान में ही नहीं हैं। एक पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ये दावा किया गया है। अगर उनकी जगह लेने वाले नए खिलाड़ी खुद को स्थापित करने में कामयाब हो गए तो इन तीनों खिलाड़ियों का टी20 करियर खत्म हो सकता है। जंग अखबार ग्रुप के स्पोर्ट्स टीवी चैनल जिय सुपर टीवी ने अपनी ऑनलाउन पब्लिश रिपोर्ट में बताया है कि आगामी सीरीज के लिए इन तीनों खिलाड़ियों के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने हालिया टी20 स्क्वॉड के लिए जिन नामों पर चर्चा की उनमें मोहम्मद रिजवान, बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के नाम नहीं थे। बाबर आजम और रिजवान तो पहले ही टी20 इंटरनेशनल के लिए नजरअंदाज किए जा चुके हैं। दोनों ने अपना आखिरी टी20 पिछले साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में खेला था। जबकि शाहीन अफरीदी का पाकिस्तान सुपर लीग में जबरदस्त प्रदर्शन था। इसलिए उन्हें पाकिस्तान के टी20 इंटरनेशनल के सेटअप से बाहर रखना हैरान करता है। हालांकि, जियो टीवी नेपीसीबी के सूत्रों के हवाले से बताया है कि समस्या अफरीदी के एटिट्यूड से है। उनके रवैये और व्यवहार के कारण चयनकर्ता सख्त रुख के लिए मजबूर हुए हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ खेलेंगे काउंटी चैंपियनशिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। हालांकि, उन्होंने इंग्लैंड की उड़ान भरने की तैयारी कर ली है। टीम इंडिया 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज करेगी और ऋतुराज गायकवाड़ 22 जुलाई से इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में खेलते दिखेंगे। उन्होंने यॉर्कशायर ने काउंटी चैंपियनशिप में पूरे सीजन के लिए साइन किया है। गायकवाड़ आईपीएल 2025 के बीच में चोट के कारण से हट गए थे और टीम प्लेऑफ की रेस से न सिर्फ सबसे पहले बाहर हुई बल्कि आखिरी स्थान पर भी रही। हालांकि, उनके घरेलू प्रदर्शन को देखते हुए इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम में चुने जाने की उम्मीद थी लेकिन उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। अब इस उभरते सितारे को इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में खेलने का मौका मिला है। 10 जून 2025 को यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने घोषणा की 28 वर्षीय भारतीय सलामी बल्लेबाज को 2025 सीजन के लिए विदेशी खिलाड़ी के रूप में साइन किया गया है। गायकवाड़ 22 जुलाई से सीजन के अंत तक यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप और मेट्रो बैंक वनडे कप में भी खेलेंगे। गायकवाड़ ने अपने बेहतरीन घरेलू और आईपीएल प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने 2016-17 रणजी ट्रॉफी में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया और तब से महाराष्ट्र टीम की कप्तानी कर रहे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका औसत 41.77 है, जिसमें सात शतक शामिल हैं, जबकि लिस्ट ए क्रिकेट में 56.15 का औसत और 16 शतक उनकी क्षमता दर्शाती है।

सगाई के मौके पर शरमाते रहे रिंकू सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडीया के खिलाड़ी रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की सगाई हो गई है। रविवार को लखनऊ के द सेंट्रम होटल में धूमधाम से सगाई का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस मौके पर प्रिया सरोज ने जमकर डांस किया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं इस दौरान रिंकू सिंह शरमाते हुए नजर आए। बता दें कि, रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की मुलाकात दो साल पहले एक दोस्त की शादी में हुई थी। ये मुलाकात धीरे-धीरे गहरी दोस्ती और फिर प्रेम में बदल गई। जनवरी 2025 में अलीगढ़ में रिंकू के घर पर शगुन की रस्म के साथ दोनों परिवारों ने इस रिश्ते को औपचारिक रूप दिया। सगाई समारोह में प्रिया सरोज ने अपने डांस से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सासंद के आत्मविश्वास ने मेहमानों को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रिया जो एक कुशल वकील और राजनेता हैं, उन्होंने अपने डांस से इस समारोह में चार चांद लगा दिया। इस कार्यक्रम के उनके कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिनमें रिंकू सिंह शर्माते हुए नजर आ रहे हैं तो वहीं सांसद प्रिया सरोज दिल खोलकर नाचते दिखाई दे रही हैं।

निकोलस पूरन ने महज 29 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को कह दिया अलविदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मंगलवार को अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह कर सबको चौंका दिया है। महज 29 साल की उम्र में पूरन ने ये फैसला लिया है और साथ ही उन्होंने इसकी जानकारी भावुक पोस्ट करके दी है। निकोलस पूरन ने कहा है कि उन्होंने रिटायरमेंट लेने से पहले बहुत सोच-समझकर विचार किया, और फिर भारी मन से इस फैसले पर पहुंचे हैं। पूरन ने लिखा कि, ये खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने हमें बहुत खुशी दी है और देता रहेगा। कभी

नहीं भूलने वाली यादें और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका। मैरून रंग पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना 100 प्रतिशत देना। मेरे लिए इसका क्या मतलब है इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। कप्तान के तौर पर टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए हमेशा सम्मान की बात रहेगी। साथ ही पूरन ने अपने फैंस के लिए लिखा कि, आपके अटूट प्यार के लिए धन्यवाद। आपने मुश्किल समय में मेरा साथ दिया और अच्छे पलों को पैशन के साथ सेलिब्रेट किया।

हला आईसीसी खिताब जीतने के लिये दक्षिण अफ्रीका को तोड़ना होगा आस्ट्रेलियाई तिलिस्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो साल में बेहतरीन प्रदर्शन करके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल तक पहुंची दक्षिण अफ्रीका के सामने 'चोकर्स'(दबाव के आगे घुटने टेकने वाले) का ठप्पा हटाने का सुनहरा मौका होगा लेकिन इसके लिये उसे आईसीसी टूर्नामेंटों की दिग्गज आस्ट्रेलिया के किले में सेंध लगानी होगी।

ऑस्ट्रेलिया इकलौती टीम है जिसने आईसीसी की चारों ट्रॉफी (वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 विश्व कप और डब्ल्यूटीसी) जीती है। वैश्विक टूर्नामेंटों के फाइनल में उसे हराना और मुश्किल होता है। टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है और इसमें से 10 बार खिताब जीतने में सफल रही है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में जीत के करीब पहुंच कर फिसलने के लिए जानी जाती है। टीम ने अब

तक आईसीसी का सिर्फ एक टूर्नामेंट जीता है। टीम ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और टीम तटस्थ स्थल पर खेले जाने वाले इस मैच के जरिये पिछली विफलताओं को भुलाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए तैयार है। उसने पिछले साल दिसंबर में ही इसका टिकट पक्का कर लिया था।

ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती पारी का आगाज करने के लिए उस्मान ख्वाजा के साथी को तय करने की होगी। टीम के पास भारत के खिलाफ पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले अंतिम एकादश से डेविड वार्नर को छोड़कर बाकी के 10 खिलाड़ी मौजूद है। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाये थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभई। उन्होंने आईपीएल में 12 मैचों में 22 विकेट लेकर दमदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वॉर्नर की जगह लेने वाले का फैसला अब भी नहीं हुआ है। 19 साल के सैम कोंस्टास ने भारत के खिलाफ आक्रामक तेवर से प्रभावित किया लेकिन लेकिन फरवरी में श्रीलंका में ट्रेविस हेड ने इस भूमिका को निभाया। माना जा रहा कि हेड एक बार भी इस भूमिका में दिखेंगे।

डब्ल्यूटीसी में पहुंचने से चूकने पर टीम इंडिया को मिलेंगे करोड़ों रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। 11 जून से 15 जून तक इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं जो भी टीम चैंपियन बनेगी उसे प्राइज मनी के तौर पर करोड़ों की धनराशि मिलेगी। हालांकि, चैंपियन टीम के अलावा रनर-अप टीम और भारतीय टीम पर भी पैसों की बारिश होगी।

टीम इंडिया भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाई हो लेकिन उस पर आईसीसी की तरफ से पैसों की बरसात होगी। उसे तकरीबन उतने पैसे मिलेंगे जितने पैसे 2021 और 2023 के डब्ल्यूटीसी चैंपियन को मिले थे। ये मुमकिन हुआ है इसलिए कि आईसीसी ने डब्ल्यूटीसी की इनाम राशि को बढ़ाकर तकरीबन दोगुना कर दिया है। तीसरे नंबर पर रहकर इस बार फाइनल चूकने पर भारत को 14.4 लाख डॉलर यानी करीब 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले दो फाइनल में भारत हारकर रनर अप रहा था तब उसे 8-8 लाख डॉलर ही मिले थे।

इस बार फाइनल जीतने वाली टीम को 36 लाख डॉलर की इनाम राशि

मिलेगी। ये 2021 की चैंपियन न्यूजीलैंड और 2023 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को तब मिली इनाम राशि के दोगुने से भी ज्यादा है।

इस बार डब्ल्यूटीसी फाइनल हारने वाली टीम को 21.6 लाख डॉलर मिलेंगे। यानी इस बार के रनरअप को पिछले दो चैंपियंस को मिली इनाम राशि से भीज्यादा मिलेंगे। 2023 में ऑस्ट्रेलिया और 2021 में न्यूजीलैंड को डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने पर 16-16 लाख डॉलर ही मिले थे। दोनों ही बार फाइनल में टीम इंडिया को हार मिली थी और उसे 8-8 लाख डॉलर की इनाम राशि मिली थी।

इस बार तीसरे नंबर पर रहने वाली भारतीय टीम को 14.4 लाख डॉलर मिलेंगे जो भारतीय मुद्रा में करीब 12.32 करोड़ रुपये है।

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की कृषि आदानों की समीक्षा

खेती को आधुनिक बनाने किसानों तक पहुंचाएं उन्नत तकनीक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कृषि आदानों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि आगामी 18 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा रबी फसल की उपलब्धियों तथा खरीफ फसल की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। गत बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन तीन दिवस में प्रस्तुत करें। खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। खेती के बेहतर होने से इसमें सुधार होगा। खेती को आधुनिक बनाने के लिए उन्नत तकनीक किसानों तक पहुंचाएं। खेती के साथ-साथ किसानों को पशुपालन, मुर्गीपालन और मछलीपालन से जोड़कर उन्हें आर्थिक विकास का अवसर दें। इसके लिए फसलवार वर्ष भर की कार्ययोजना तैयार करें। विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों से मिले सुझावों को भी कार्ययोजना में शामिल करें। समन्वित प्रयासों से ही खेती बेहतर होगी।

कमिश्नर ने कहा कि शासन द्वारा फसल विविधीकरण पर लगातार जोर दिया जा रहा है। किसानों को आगामी फसल में धान के स्थान पर दलहन और तिलहनी फसलों के लिए प्रेरित करें। इनके रकबे में वृद्धि करने के लिए आवश्यक उपाय करें। दलहन तथा तिलहन फसलों के उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाएं। उद्यानिकी फसलों की भी संभाग के सभी जिलों में अच्छी संभावना है। कई किसान सब्जी और फलों की अच्छी खेती कर रहे हैं। अन्य किसानों को भी उद्यानिकी फसलों से जोड़ें। संयुक्त संचालक कृषि सभी जिलों की कृषि विकास की कार्ययोजना तैयार कराएं। कलेक्टर कृषि आदान तथा कृषि संबद्ध विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें। जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण पर भी लगातार निगरानी रखें।

बैठक में कमिश्नर ने कृषि उपज मण्डियों की रैंकिंग में सुधार, बीज निगम द्वारा बीजों के प्रमाणीकरण, एफपीओ द्वारा तैयार बीजों के प्रमाणीकरण एवं मोटे अनाजों की खेती के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि आगामी 14 जून को पुनः संभागीय समीक्षा बैठक में एपीसी बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की जिलेवार समीक्षा की जाएगी। सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, उप संचालक मण्डी बोर्ड, क्षेत्रीय संचालक विपणन संघ तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर तथा कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी बैठक में शामिल रहे।

उचेहरा में अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी, एक गिरफ्तार

पंचायत सचिव का बेटा स्कॉर्पियो में 64 हजार की शराब ले जा रहा था, एक फरार हुआ

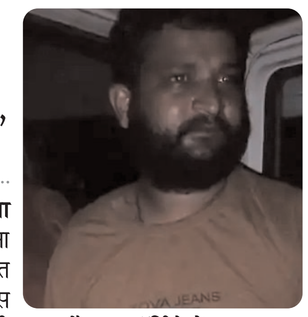

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के उचेहरा थाना पुलिस ने मंगलवार की देर रात रेलवे फाटक ओवर ब्रिज के पास से अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस ने परसमनिया पंचायत सचिव के बेटे शुभम नामदेव को गिरफ्तार किया है।

शुभम के पास से 64 हजार रुपए की 10 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। टीआई सतीश मिश्रा के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम रेलवे फाटक पर तैनात थी। सतना की तरफ से आ रही स्कॉर्पियो को रोका गया।

पुलिस को देखकर चालक भागने का प्रयास कर रहा था। घेराबंदी कर वाहन को रोका गया। इस दौरान स्कॉर्पियो में सवार दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी शुभम ने पूछताछ में बताया कि फरार आरोपी अमकुई निवासी संजू सिंह है।

शराब माधवगढ़ की शराब दुकान से लाई गई थी। पुलिस ने शराब और स्कॉर्पियो को जब्त कर आरोपी शुभम के खिलाफ आबकारी एक्ट का मामला दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर उप जेल नागौद भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपी संजू सिंह की तलाश कर रही है।

आधी रात में बिजली गुल, परेशान लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में मंगलवार-बुधवार की दर दरमियानी रात बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रात 11 बजे से आधे शहर की बिजली बंद हो गई। लोगों ने रात ढाई बजे पुराना पावर हाउस स्थित बिजली कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया।

सिटी कोतवाली के टीआई रावेंद्र द्विवेदी और रात्रि गश्त कर रही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बिजली कंपनी के अधिकारियों को कई बार फोन किया, लेकिन किसी ने कॉल नहीं उठाया। गर्मी से परेशान लोग बच्चों के साथ सड़कों पर घूमते दिखे। बिजली कटौती से व्यापारियों को भी नुकसान हुआ। उत्तरी पतेरी इलाके में एक आइसक्रीम दुकान के मालिक ने बताया कि फ्रीजर में रखी आइसक्रीम के पिघलने से हजारों रुपए का नुकसान हो गया।

बिजली आपूर्ति सब्जी मंडी और पुराना पावर हाउस उपकेंद्र से जुड़े कई इलाकों में प्रभावित रही। इनमें उतैली, कृष्णनगर, संग्राम कालोनी, जिला अस्पताल परिसर, पुष्पराज कालोनी, जयस्तंभ चौक, मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, सिटी कोतवाली और पतेरी वितरण केंद्र के कुछ इलाके शामिल हैं।

बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पुराना पावर हाउस फीडर में 33 केवी लाइन का जम्पर उड़ने से समस्या आई। फॉल्ट का पता लगाने में समय लगा। तकनीकी टीम ने फॉल्ट ठीक कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी।

'अमृत हरित महाअभियान' पर कार्यशाला का टाउन हॉल में होगा सीधा प्रसारण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 13 जून, शुक्रवार को प्रातः 8:30 बजे भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में ''अमृत हरित महाअभियान'' विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस दौरान नगरीय विकास से जुड़ी योजनाओं, हरित पहल और अमृत हरित अभियान के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस विशेष आयोजन का सजीव प्रसारण नगर निगम रीवा के टाउन हॉल में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा, ताकि अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि कार्यक्रम की जानकारी से सीधे जुड़ सकें और अभियान की भावना को आत्मसात कर सकें। कार्यशाला में मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, नगर निगम अध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन आने वाले समय में पर्यावरणीय दृष्टिकोण से नगरीय क्षेत्रों की दिशा और दशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने सभी पर्यावरण प्रेमियों, जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे 13 जून को नगर निगम टाउन हॉल में आयोजित सजीव प्रसारण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर कार्यक्रम का अवलोकन करें और अमृत हरित अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

अमहिया रोड से हटेगा अतिक्रमण, निगमायुक्त ने किया मौका मुआयना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में अमहिया रोड पर हुए अतिक्रमण को दो सप्ताह के भीतर हटाने की कार्रवाई की जाएगी। तीन दिन पहले रानी तालाब क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया जा चुका है।

नगर निगम और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अमहिया मार्ग और प्रकाश चौराहे के आसपास अतिक्रमण चिन्हित किया है। यहां अवैध कब्जों के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है, जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

बुधवार को नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने मौके का भ्रमण कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां भी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण है, वहां तत्काल हटाने की कार्रवाई की जाए।

ऐसे स्थान जहां शासकीय भूमि होने का संदेह है, वहां संबंधित अभिलेख मंगाकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कोठी कंपाउंड से अमहिया की ओर जाने वाले मार्ग पर चिन्हित अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाया जाएगा।

गांधी कांप्लेक्स, प्रकाश चौराहा क्षेत्र में मौजूद दुकानदारों से अभिलेखों के आधार पर चर्चा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों का भी आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान निगम के सहायक यंत्री एसके गर्ग, अम्बरीश सिंह और अतिक्रमण प्रभारी सुखेन्द्र चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि चिन्हित अतिक्रमण को जल्द हटाया जाए और पूरे अभियान को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए।

समग्र पोर्टल पर नागरिकों की ईकेवाईसी की बढ़ाई गई समय सीमा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नागरिकों की समग्र आईडी को आधार से जोड़कर ईकेवाईसी पूर्ण कराने के उद्देश्य से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान की अंतिम तिथि अब 30 जून 2025 कर दी गई है। पूर्व में यह अवधि 31 मई 2025 निर्धारित थी। यह निर्णय प्रमुख सचिव महोदय की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में लिए गए निर्देशों के क्रम में लिया गया है। सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि शेष बचे समग्र आईडी की ईकेवाईसी शीघ्रता से पूर्ण कराई जाए तथा इस कार्य को उच्च प्राथमिकता पर लिया जाए। डीडुप्लीकेशन प्रक्रिया के तहत जिला स्तर पर समग्र आईडी का सत्यापन कर डुप्लीकेट या फर्जी आईडी को हटाने की प्रक्रिया तेजी से की जाए। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन नागरिकों की समग्र आईडी डुप्लीकेट, फर्जी अथवा निष्क्रिय पाई जाती है, उन्हें हटाने की कार्यवाही भी ईकेवाईसी के माध्यम से ही सुनिश्चित की जानी है। नगरीय क्षेत्र में अभियान की समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु निगम आयुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। वार्डवार लक्ष्य निर्धारित कर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए है एवं नागरिकों से अपील किया कि वे अपनी समग्र आईडी की ईकेवाईसी शीघ्रता से करवाएं एवं इस महत्त्वपूर्ण अभियान में सहयोग प्रदान करें। ईकेवाईसी की प्रक्रिया से न केवल दस्तावेज एवं पहचान सुदृढ़ होगा, बल्कि शासन की योजनाओं का सीधा लाभ भी सुनिश्चित हो सकेगा।

अवैध उत्खनन करते हुए जेसीबी और दो ट्रैक्टर तथा ट्राली जप्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि सीधी जिले के रामपुर नैकिन तहसील के ग्राम पड़खुरी पवाई 588 में मिट्टी का अवैध उत्खनन करते हुए एक जेसीबी मशीन तथा दो ट्रैक्टर और ट्राली जप्त की गई हैं। इन्हें रामपुर नैकिन थाने में सुरक्षित रखा गया है। एसडीएम चुरहट शैलेश द्विवेदी ने अवैध उत्खनन की सूचना मिलने पर तहसीलदार रामपुर नैकिन और खनिज निरीक्षक को मौके पर भेजकर जाँच कराई। ग्राम पड़खुरी पवाई में खसरा नम्बर 92/1 में मिट्टी का अवैध खनन करते पाया गया। ट्रैक्टर ट्राली में भी मिट्टी लोड पाई गई। वाहन चालक और भूमि स्वामी मिट्टी खनन की अनुमति के संबंध में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 14 जून को रक्तदान शिविर

अधिक से अधिक रक्तदाताओं को रक्तदान करने हेतु प्रेरित करें - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर सुबह 10 बजे से आरंभ होकर शाम 4 बजे तक संचालित होगा। रक्तदान शिविर आयोजन की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि अधिक से अधिक रक्तदाताओं को रक्तदान के लिये प्रेरित करें। यह पुनीत कार्य है जिससे किसी भी व्यक्ति की जान बच सकती है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थाओं, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस के छात्र-छात्राओं सहित अधिकारियों, कर्मचारियों को भी शिविर में रक्तदान हेतु आगे आने का आह्वान किया।

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सभी शैक्षणिक संस्थाओं से कम से कम 15 रक्तदाताओं के नाम की सूची 12 जून तक उपलब्ध करायें। उन्होंने स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों से भी रक्तदान शिविर में सहयोग की अपेक्षा की है। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने शिविर की व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी दी। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी सहित शैक्षणिक संस्थाओं के प्राचार्य तथा स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में कोलगवां पुलिस ने नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी विजय बंसल (43) भल्ला फार्म-नई बस्ती का रहने वाला है।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया। कोलगवां टीआई सुदीप सोनी के अनुसार, कुछ दिन पहले एक नाबालिग लड़की के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने 7 जून को पीड़िता को बरामद कर लिया।

पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि आरोपी उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया। फिर बंधक बनाकर कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता के बयान के बाद पुलिस ने मामले में रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ीं। साइबर सेल से मिले सुराग के आधार पर पुलिस की एक टीम दिल्ली भेजी गई। टीम ने वहां दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक ने निर्वाचन क्षेत्र के ग्रामों का किया भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के जनपद पंचायत नईगढ़ी में रिक्त जनपद वार्ड एवं ग्राम पंचायत के पंच पद के निर्वाचन के लिये राज्य निर्वाचक आयोग से नियुक्त प्रेक्षक अरूण पाण्डेय ने निर्वाचन क्षेत्र का भ्रमण किया तथा व्यवस्थाएँ देखीं।

प्रेक्षक श्री पाण्डेय ने ग्राम पंचायत शिवराजपुर, शाहपुर, बहुती, मड़वा का भ्रमण किया तथा पुनरीक्षित मतदाता सूचियों में प्राप्त दावा आपत्तियों सहित मतदाता सूची से विलोपित मतदाताओं के संबंध में सूची का परीक्षण किया तथा ग्रामवासियों से चर्चा की। इस दौरान तहसीलदार नईगढ़ी, सीईओ जनपद नईगढ़ी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। प्रेक्षक श्री पाण्डेय के मो.नं. 9425036003 पर शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराये जा सकते हैं।

मछली मारने पर 16 जून से प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वर्षाकाल का आरंभ मछलियों का प्रजनन काल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले के सभी जलाशयों में 16 जून 2025 से 15 अगस्त 2025 तक मछली मारने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। इस अवधि में मछली का शिकार, विनिमय तथा परिवहन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश मध्यप्रदेश नवीन मत्स्योद्योग नियम 1972 के तहत जारी किया गया है।

पुश्तैनी जमीन के अधिग्रहण का आदिवासियों ने किया विरोध

मैहर में कलश में माटी लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे; जमीन बचाने की लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले में बुधवार को पुश्तैनी जमीन के अधिग्रहण के खिलाफ आदिवासी समाज कलश में माटी लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचा। जहां पर तेज धूप में जमीन पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने एडीएम शैलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा।

मामला सहिलरा गांव का है। आदिवासियों ने मांग की है कि प्रशासन की ओर से जो भी प्रोजेक्ट बनाया जाएगा। उसे कहीं अलग बनाया जाए। जिससे उनकी पूर्वजों की जमीन बची रहे।

आदिवासी लक्ष्मण ने कहा कि जमीन छिनने से न सिर्फ उनका आशियाना जाएगा, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति और पूर्वजों की स्मृतियां भी खत्म हो जाएंगी। यह प्रदर्शन विरोध के साथ-साथ एक चेतावनी भी है। प्रदर्शनकारी संविधान और इतिहास का सहारा लेकर न्याय की मांग कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, राजस्व अधिकारी रोजाना जमीन की नपाई कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यहां सरकारी प्रोजेक्ट के तहत कॉलोनी बनाई जाएगी। इसे लेकर आदिवासी समाज चिंतित है।

मैहर के भाजपा नेता की सड़क हादसे में मौत, पांच घायल

चाची का अंतिम संस्कार करने गए थे प्रयागराज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर के भाजपा नेता की सड़क हादसे में मौत हो गई। परिवार के पांच सदस्य घायल भी हुए हैं। सभी लोग अपने परिवार की महिला का प्रयागराज में अंतिम संस्कार कर वापस आ रहे थे। मंगलवार-बुधवार की दरिमियानी रात 3 बजे उनकी एंबुलेंस अमरपाटन बाईपास पर अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई।

मैहर के भाजपा नेता और पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम चौरसिया(55) की चाची और लवकुश चौरसिया की मां का मंगलवार को निधन हो गया था। चाची की इच्छा के अनुसार परिवार के 6 सदस्य उनका अंतिम संस्कार करने प्रयागराज गए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया। हादसे के बाद एंबुलेंस चालक मौके से फरार हो गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।